RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:259 ता. 11 अप्रैल 2023, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

देश में सक्रिय मामले बढ़कर 35 हजार के पार, जानिए किस राज्य में मिले कितने नए मरीज?

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डाटा के अनुसार, बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 5880 नए मामले सामने आए हैं। जिसके बाद देश में कोरोना संक्रमित कुल मरीज बढ़कर 35,199 हो गए हैं। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आज देशभर में कोरोना की तैयारियों को लेकर मॉकड्रिल की जा रही है। यह मॉकड्रिल 10 और 11 अप्रैल को सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में होगी। खुद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को एम्स झज्जर में इस मॉकड्रिल का निरीक्षण करेंगे।

दिल्ली में मिले 699 नए मरीज-राजधानी दिल्ली में रविवार को कोरोना के 699 नए मामले सामने आए हैं और पॉजिटिविटी दर 21.15 प्रतिशत दर्ज की गई है। दिल्ली में कोरोना संक्रमित चार मरीजों की मौत भी हुई है। हालांकि मरने वाले मरीजों में से सिर्फ एक की मौत का कारण कोरोना संक्रमण रहा। दिल्ली सरकार फिर से मास्क को अनिवार्य करने पर विचार कर रही है। हरियाणा में सभी सार्वजनिक जगहों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।

विभिन्न राज्यों में ये रहा बीते 24 घंटे का आंकड़ा

हिमाचल प्रदेश में रविवार को कोरोना संक्रमित चार मरीजों की मौत हुई है। वहीं बीते 24 घंटे में हिमाचल में कोरोना के 137 नए मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 1764 हो गई है। राजस्थान में रविवार को कोरोना के 165 नए मामले सामने आए हैं और एक मरीज की मौत हुई है। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामले बढ़कर 651 हो गए हैं। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में कोरोना के 246 नए मरीज मिले हैं। महाराष्ट्र में सक्रिय मामले बढ़कर 788 हो गए हैं। अकेले मुंबई में 211 नए मरीज मिले हैं और यह लगातार छठा दिन है, जब मुंबई में 200 से ज्यादा नए मरीज मिले हैं।

अवांछित कारोबारियों से हैं राहुल गांधी के रिश्ते, मिलने जाते हैं विदेश; गुलाम नबी आजाद का नया आरोप

गुलाम नबी आजाद ने कहा राहुल समेत पूरे परिवार के कारोबारियों से रिश्ते हैं। मैं ऐसे 10 उदाहरण दे सकता हूं, जिसमें राहुल गांधी देश से बाहर जाकर भी लोगों से मिले हैं, इनमें अवांछित कारोबारी भी शामिल हैं।

नई दिल्ली। राहुल गांधी के कई अवांछित कारोबारियों से संबंध हैं। कांग्रेस के 5 दशकों तक नेता रहे गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस पर यह नया आरोप जड़ा है। उन्होंने राहुल गांधी के एक ट्वीट के जवाब में यह बात कही, जिसमें उनके समेत कई लोगों के अडानी से रिश्तों पर सवाल उठाया गया था। गुलाम नबी आजाद ने एक मलयाली न्यूज चैनल से बातचीत में कहा, राहुल गांधी समेत पूरे परिवार के कारोबारियों से रिश्ते हैं। मैं ऐसे 10 उदाहरण दे सकता हूं, जिसमें राहुल गांधी देश से बाहर जाकर भी लोगों से मिले हैं, इनमें अवांछित कारोबारी भी शामिल हैं।

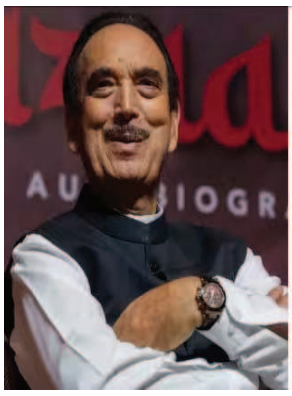

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि देश में अब कांग्रेस बची ही नहीं है बल्कि कुछ लोग ही रह गए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेतृत्व का कहीं पर भी कोई प्रभाव नहीं है। यही नहीं आजाद ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को भी बेअसर बताया। उन्होंने कहा, कुछ लोग कह रहे हैं कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद से राहुल का असर बढ़ा है। लेकिन मुझे लगता है कि उनका कोई प्रभाव नहीं बढ़ा है। यहां तक कि वह जब सूरत की अदालत में पेश होने के लिए पहुंचे तो कोई भी युवा या किसान उनके समर्थन में नहीं निकला।

नई पीढ़ी के लोग भी कांग्रेस में 10 गुना ज्यादा परेशान

उन्होंने कहा कि कांग्रेस में पुराने नेता तो किनारे लगे ही हैं, लेकिन नई पीढ़ी के लोग 10 गुना ज्यादा परेशान हैं। यही वजह है कि एके एंटनी जैसे सीनियर नेता के बेटे अनिल ने भाजपा जॉइन कर ली है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम ने कहा, अनिल का कांग्रेस छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। 50 साल से कम उम्र के ज्यादातर युवा नेता इसलिए कांग्रेस छोड़ रहे हैं क्योंकि राहुल गांधी के पास नेतृत्व का अभाव है। वह कोई दिशा नहीं दे पा रहे हैं।

राहुल गांधी ने आजाद समेत सिंधिया, हिमंता पर बोला था हमला

गौरतलब है कि शनिवार को ही राहुल गांधी ने उन लोगों पर हमला बोला था, जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। राहुल गांधी ने एक ट्वीट करते हुए अडानी के साथ गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरण रेड्डी, अनिल एंटनी और हिमंता बिस्वा सरमा का नाम जोड़ा था। इन सभी नेताओं ने बीते कुछ सालों में कांग्रेस का दामन छोड़ा है।

पहले चर्च और अब दरगाहों पर नजर, कैसे 2024 के लिए भाजपा फेंक रही नए पत्ते?

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले बीजेपी अब खुद सबका साथ, सबका विश्वास चाह रही है। इसी कड़ी में रविवार को ईस्टर के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली स्थित 'Sacred Heart Cathedral' चर्च पहुंचे। उनके अलावा उनकी पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने केरल में बिशप से मुलाकात की। ईस्टर पर बिशप से भेंट करने वालों में बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पी.के. कृष्णदास भी शामिल थे। बीजेपी के नेता अब लगातार अल्पसंख्यकों से संपर्क साध रहे हैं। शनिवार को भी बीजेपी के केरल प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने थमारसेरी के आर्कबिशप मार रेमिगियस पॉल इंचानयिल से मुलाकात की थी। एक अन्य वरिष्ठ नेता और बीजेपी के राज्य उपाध्यक्ष एएन राधाकृष्णन ने भी गुड फ्राइडे पर मलयाट्टूर चर्च उत्सव में भाग लिया था। यहां तक ??कि इस धर्मस्थल तक पहुंचने के लिए राधाकृष्णन मलयाट्टूर पहाड़ी पर भी चढ़ गए थे, लेकिन कथित तौर पर कुछ किलोमीटर के बाद वह रुक गए। ऐसा नहीं है कि बीजेपी सिर्फ चुनावी राज्य कर्नाटक के पड़ोसी राज्य केरल में ही और सिर्फ ईसाई समुदाय को ही अपने पाले में लाने की कोशिशों में जुटी है। वह धार्मिक अल्पसंख्यकों में सबसे बड़ी आबादी वाले समूह यानी मुस्लिमों पर भी डोरे डाल रही है। बीजेपी पहले ही यूपी में चार मुस्लिमों को एमएलसी बना चुकी है। अब बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा ने मुस्लिम वोटरों तक पहुंच बनाने के लिए पूरे देश में सूफी संवाद महा अभियान चलाने का फैसला किया है। इस अभियान के तहत केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, बीजेपी के मुस्लिम नेता ईद के बाद कव्वाली सुनने दरगाह जाएंगे। योजना है कि कव्वाली कार्यक्रम में बीजेपी के नेता मुस्लिमों को यह बात समझाने की कोशिश करेंगे कि पीएम मोदी की सरकार में सभी योजनाओं का लाभ बिना किसी धार्मिक भेदभाव के मुसलमानों को भी दिया जा रहा है।

कर्नाटक में कांग्रेस की नैय्या पार लगाएंगे 'गुरू'!

जेल से रिहा सिद्धू को पहला असाइनमेंट जल्द

नई दिल्ली। क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिद्धू को जेल से रिहा होने के बाद पहला राजनीतिक असाइनमेंट मिलने वाला है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस उन्हें जल्द ही कर्नाटक चुनाव अभियान से सक्रिय राजनीति में उतार सकती है। सिद्धू के दक्षिणी राज्य में प्रचार करने की पूरी संभावना जताई जा रही है। कर्नाटक विधानसभा में अगले महीने की शुरुआत से चुनाव होने हैं। यहां आने वाले दिनों में प्रचार-प्रसार काफी जोरों से शुरू हौने वाला है। नवजोत सिंह सिद्धू के कर्नाटक के प्रमुख जिलों में रैलियों को संबोधित करने की उम्मीद है। एआईसीसी के एक मैनेजर ने कहा, वह कर्नाटक का दौरा करेंगे और पार्टी के समर्थन के लिए प्रचार करेंगे। इस सप्ताह प्रमुख कांग्रेस नेताओं के साथ उनकी यात्राओं से स्पष्ट रूप से बिना समय गंवाए चीजों को प्राप्त करने के लिए उत्सुक सिद्धू अपने राजनीतिक करियर को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं।

राहुल और खड़गे से मुलाकात

हाल ही में सिद्धू ने कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन

खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। सिद्धू ने राहुल को अपना मेंटर बताया था। गौरतलब है कि पिछले साल पंजाब चुनावों में कांग्रेस की हार से सिद्धू का राजनीतिक करियर थम सा गया था। इसके बाद 1988 के रोड रेज मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक साल कैद की सजा सुनाई।

आजम खान का पीछा नहीं छोड़ेगी भाजपा, अब आंबेडकर पर दिए विवादित बयान से बढ़ेगी सपा की मुश्किल

नई दिल्ली। आजम खान की विधायकी चली गई और बेटे भी स्वार विधानसभा सीट से एमएलए नहीं रहे हैं। परिवार कानूनी मामलों में बुरी तरह फंसा हुआ है और कभी रामपुर में राजनीतिक रसूख रखने वाले आजम खान अपने सियासी वजूद के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसके बाद भी आजम खान उनका पीछा नहीं छोड़ने जा रही। अब उसने आजम खान के 7 साल पुराने विवादित बयान को मुद्दा बनाने का फैसला लिया है, जिसमें उन्होंने संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों के नाम पर जमीनें कब्जा करने का आरोप लगाया था।

आजम खान ने 2016 में गाजियाबाद में एक कार्यक्रम में कहा था कि एक प्रतिमा हर जगह लगाई जा रही है, जिसकी उंगली आगे की ओर होती है। उन्होंने बसपा पर तंज कसते हुए लिमिट पार कर दी थी और कहा था कि पिछली सरकार ने कई जगह एक मूर्ति लगाई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सैकड़ों

जगह पर एक साहब की प्रतिमा लगी है, उसमें उनकी उंगली कुछ खास इशारा करती है। प्रतिमा कह रही है कि यह जमीन मेरी है, लेकिन सामने वाला प्लाट भी तो मेरा ही है। हर प्रतिमा में उंगली आगे की तरफ होती है। इस प्रतिमा के यह मायने थे कि जहां मूर्ति लगी है वह जमीन तो मेरी है लेकिन सामने वाली भी मेरी ही है। सपा महासचिव ने भले ही यह बयान बसपा पर हमला करते हुए दिया था, लेकिन इसका फायदा उठाने की कोशिश में भाजपा जुट गई है। 14 अप्रैल को भाजपा पूरे यूपी में आंबेडकर जयंती के कार्यक्रम करने जा रही है। इस दौरान उसने आजम खान के बयान के बहाने सपा को टारगेट करने का फैसला लिया है। हाल ही में रायबरेली में हुए एक आयोजन में अखिलेश यादव ने बसपा संस्थापक कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि अब आंबेडकरवादियों और लोहियावादियों के साथ आने का समय है।

अखिलेश के प्रयासों को आजम के जरिए आईना दिखाएगी भाजपा?

अखिलेश यादव की इस कोशिश को दलित वोटों पर दावेदारी से जोड़कर देखा गया था, लेकिन अब उनकी कोशिश की काट भाजपा आजम खान के बयान से करने जा रही है। भाजपा आजम खान के बयान को याद दिलाते हुए सपा को दलित विरोधी बताने का प्रयास करेगी। मायावती की बसपा बीते कई चुनावों से कमजोर प्रदर्शन कर रही है। ऐसे में उनके परंपरागत दलित वोटों पर भी सपा और भाजपा की नजर है और दोनों उसकी दावेदारी के लिए दांवपेच चल रही हैं।

दिल्ली में 26 अप्रैल को फिर होगा मेयर चुनाव, इस बार किसे मौका देगी आप

नई दिल्ली। दल्ली नगर निगम में मेयर का चुनाव 26 अप्रैल को होगा। इसी सप्ताह मेयर चुनाव के लिए नामांकन की तारीखों को लेकर अधिसूचना जारी हो जाएगी। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी सत्ता पर काबिज है। पार्टी की पार्षद शैली ओबरॉय मेयर हैं। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी इस बार भी मेयर चुनाव में उन्हें दोबारा मौका देगी। दिल्ली नगर निगम में मेयर का चुनाव हर नए वित्तीय वर्ष में होता है। मेयर का पिछला चुनाव 22 फरवरी को हुआ था, जिसमें आम आदमी पार्टी की शैली ओबरॉय ने जीत हासिल की थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए फिर से मेयर चुनाव होगा। आम आदमी

पार्टी के प्रवक्ता व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शैली के दोबारा उम्मीदवार बनाए जाने पर कहा कि यह पार्टी तय करेगी। अधिकारियों ने बताया कि अब मौजूदा मेयर ही नई तारीख तय करेंगी, उसे एलजी से मंजूरी की जरूरत नहीं है। संभावित 26 अप्रैल को ही मेयर और डिप्टी मेयर दोनों के चुनाव होंगे। वहीं, स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव का मसला कोर्ट में है जिस पर 24 अप्रैल को सुनवाई होनी है। कोर्ट के निर्णय के बाद ही इस पर फैसला होगा। निगम में आप के 134, भाजपा के 104 और कांग्रेस के नौ पार्षद हैं।

अकोला में मंदिर के टिनशेड पर गिरा भारी-भरकम पेड़, कम से कम 7 की मौत; कई घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के अकोला में बारिश कम से कम सात लोगों के लिए काल बन गई। यहां बालापुर तहसील के पारस गांव में एक मंदिर के टिनशेड पर भारी-भरकम पेड़ गिर गया। इसके बाद कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। दरअसल रविवार को यहां बारिश हो रही थी और तेज हवाएं भी चल रही थीं। ऐसे में मंदिर के पास का ही पेड़ जड़ से उखड़ गया और मंदिर के टिनशेड पर आ गिरा। गांव में बाबूजी महाराज मंदिर संस्थान है। यहीं पर नीम का काफी पुराना पेड़ था। पेड़ गिरने के बाद आसपास के लोग बचाव के लिए दौड़े। कई लोग टिनशेड के नीचे दब गए थे। पुलिस को भी लोगों ने इस बात की सूचना

अकोला जिले की कलेक्टर नीमा अरोड़ा ने पुष्टि की कि दर्दनाक हादसे में कम से कम सात लोग मारे गए हैं और 30 से 40 लोग घायल हो गए हैं। उनका इलाज पास के ही अस्पताल में चल रहा है।

दी। वहीं मौके पर एंबुलेंस भी पहुंची और घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया। पेड़ को हटाने और लोगों को निकालने के लिए जेसीबी बुलवाई गई।

अकोला जिले की कलेक्टर नीमा अरोड़ा ने पुष्टि की कि दर्दनाक हादसे में कम से कम सात लोग मारे गए हैं और 30 से 40 लोग घायल हो गए हैं। उनका इलाज पास के ही अस्पताल में चल रहा है। वहीं गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को अकोला के सिविल अस्पताल भेजा गया है। बता दें कि मौसम विभाग ने महाराष्ट्र में अगले दो दिनों तक कई जगहों पर बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भी तेज हवाएँ चल सकती हैं और हल्की बरिश होने की संभावना है। वहीं पांच दिनों में देश के बड़े हिस्से में तापमान बढ़ने का अनुमान है।

जमशेदपुर में हिंसक झड़प के बाद इंटरनेट बंद, धारा 144 लागू, इलाके में सुरक्षा बलों का फ्लैग मार्च; अफवाह ना फैलाने की अपील

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में शनिवार रात दो पक्षों में हुई हिंसक झड़प हुई। रविवार को भी उपद्रवियों ने कई दुकानों में आग लगा दी और एक-दूसरे पर जमकर पत्थरबाजी की। देर रात मामला शांत हुआ। सोमवार सुबह प्रशासन ने शहर में धारा 144 लागू कर इंटरनेट बंद कर दिया। शहर में सुरक्षा बलों ने फ्लैग मार्च किया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

पुलिस के मुताबिक, दो पक्षों के बीच चौक में लगे झंडे को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस दौरान फायरिंग की भी खबर है।

दुकानों और गाड़ियों में आगजनी

कदमा शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर दो में रविवार की शाम दो समुदायों के बीच पत्थरबाजी हुई। पत्थरबाजी के बाद पुलिस को फायरिंग की भी सूचना मिली। पुलिस ने भी हालात पर नियंत्रण के लिए हवाई फायरिंग की। पत्थरबाजों ने दुकानों में आग लगा दी। छह दुकानें, दो बाइक जला दी गईं।

हालात पर काबू पाने के लिए झारखंड अग्निशमन और टाटास्टील की दो दमकल गाड़ी मंगाई गई। करीब तीन घंटे तक चली पत्थरबाजी में स्स्क प्रभात कुमार समेत कई

पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस ने पत्थरबाजी और हंगामा कर रहे 60 से ज्यादा युवकों को हिरासत में लिया है। क्षेत्र में अब भी तनाव का माहौल है। सुरक्षा बल तैनात हैं।

जमशेदपुर में धारा-144 लगाई गई है। रविवार रात 9 बजे रैफ की तीन कंपनी पहुंचीं। देर रात चाईबासा और सरायकेला से 400 जवानों को बुलाया गया है।

कैसे शुरू हुआ विवाद

शनिवार की शाम असामाजिक तत्वों ने कदमा शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर 3 चौक पर लगे झंडे के बांस में मांस से भरा पॉलिथीन बैग बांध दिया था। रविवार को कदमा शास्त्रीनगर ब्लाक नंबर 2 स्थित जटाधारी हनुमान मंदिर में एक पक्ष के संगठनों की बैठक हुई। अचानक बैठक पर पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसके बाद हिंसा भड़की।

प्रशासन ने क्या कहा

उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की कोशिश की है। प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर रख रहा है। अपील है कि किसी भी तरह के अफवाह पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

बर्मा कैंप में भीषण आग लगने से एक की मौत, 900 लोग बेघर

दीमापुर। नागालैंड के दीमापुर जिले के बर्मा कैंप में रविवार को भीषण आग लग गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और करीब 900 लोग बेघर हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बर्मा कैंप के ईस्ट ब्लॉक में दोपहर करीब 12 बजे आग लग गई। आग में पुआल के छप्पर वाले करीब 260 घर जलकर खाक हो गये। अधिकारी ने बताया कि एक बुजुर्ग महिला की आग में जलकर मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में गैस सिलेंडरों में विस्फोट होने के कारण दमकल सेवा के कई कर्मी भी झुलस गए। आग से लगभग 900 लोग बेघर हो गए, जिनमें ज्यादातर मजदूर हैं। हालांकि अभी आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ लोग अभी भी लापता हैं। यहां दमकल की कई गाड़ियों को आग बुझाने के लिए लगाया गया, आग पर तीन घंटे के बाद काबू पाया जा सका। ईस्ट ब्लॉक में लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट होने की खबर है। 2011 में इसी इलाके में आग लग गई थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी।

हथियारबंद बदमाशों ने मस्जिद में नमाज अदा कर रहे लोगों पर किया हमला

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में एक मस्जिद में हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने रमजान के दौरान मस्जिद में नमाज अदा कर रहे लोगों पर हमला कर दिया। इस दौरान मस्जिद में भी तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने 18 नामजद समेत 19 लोगों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सोनीपत के सांदल कलां गांव का है। यहां मुस्लिम समुदाय ने गांव में नमाज अदा करने के लिए छोटी मस्जिद बनाई हुई है। आरोप है कि यहां 15 से 20 हथियारबंद हमलावरों ने देर रात नमाज अदा कर रहे नमाजियों पर हमला कर दिया। हमला करने वाले युवक गांव के ही बताए जा रहे हैं। अभी हमले की वजह सामने नहीं आई है। आरोप है कि हमला करने वाले युवकों ने मस्जिद में तोड़फोड़ भी की। हमला करने वाले कुछ युवकों की तस्वीरें भी सामने आई है। इसमें युवक हाथों में लाठी डंडे लेकर गांव की गलियों में घूमते नजर आ रहे हैं। सोनीपत बड़ी इंडस्ट्रियल एरिया थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी. घायलों को सोनीपत सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर, इस वारदात के बाद सांदल कलां में तनाव का माहौल है। ऐसे में गांव में पुलिस की तैनाती की गई है। सांदल कलां मस्जिद में इमाम मोहम्मद कौशर ने बताया कि हमारा किसी से कोई झगड़ा नहीं हुआ। रमजान चल रहा है। ऐसे में हम लोग नमाज अदा कर रहे थे. तभी गांव के युवक घुस आए और उन्होंने हमला कर दिया. इस हमले के दौरान उन्होंने महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा। इस हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल है।

दिल्ली में अब जमकर सताएगी गर्मी, 37 डिग्री तक पारा पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बारिश से हुई गुलाबी ठंड के बाद अब दिल्ली में गर्मी सताने लगी है। पिछले दो दिन से दोपहर के वक्त तापमान में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई और तापमान नए रिकॉर्ड बनाने लगा है। हालांकि, रात के वक्त हल्की ठंड चल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अब गर्मी का सितम देखने को मिलेगा और आने वाले दिनों में पारा बढ़ेगा। हाला ?कि रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, आर्द्रता 21 प्रतिशत से 80 प्रतिशत के बीच रही। पिछले कई दिनों में अधिकतम तापमान में ये भारी बढ़त है। आज के मौसम की बात करें तो सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है, जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 और 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मंगलवार को भी मौसम ऐसा ही बना रहेगा। बुधवार की बात करें तो न्यूनतम तापमान एक पाइंट बढ़कर 17 डिग्री पहुंच सकता है। इस तरह से हफ्ते के अंत तक यानी शनिवार तक न्यूनतम तापमान बढ़कर 18 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। लेकिन इस पूरे हफ्ते आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली से सटे नोएडा की बात करें तो यहां के न्यूनतम तापमान में दिल्ली के मुकाबले भारी बढ़त देखी जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार को न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। शनिवार तक ये बढ़कर 23 और 38 डिग्री हो सकता है। वहीं, 11 से 13 अप्रैल को दिन के वक्त तेज हवाएं चल सकती हैं। गुरुग्राम में भी मौसम दिल्ली के जैसा ही बना हुआ है। आज यहां न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। जो शनिवार तक 18 और 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

'वजू' करने की अनुमति, गुजारिश वाली याचिका पर 14 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में रमजान के महीने में 'वजू' करने की अनुमति देने की गुजारिश करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति की याचिका पर 14 अप्रैल को सुनवाई करने के लिए सोमवार को तैयार हुआ। अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति ने रमजान में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में वजू की अनुमति मांगी है। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 11 नवंबर को उस क्षेत्र की सुरक्षा अगले आदेश तक बढ़ा दी थी, जहां एक शिवलिंग पाए जाने का दावा किया गया था। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया गया। मस्जिद समिति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने रमजान के महीने का हवाला देकर मामले की जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मस्जिद के अंदर एक क्षेत्र को सील करने के कारण 'वजूखाने' का रास्ता भी बंद है। उन्होंने कहा कि वजू के लिए एक ड्रम से पानी लिया जा रहा है और रमजान की वजह से श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ गई है। सीजेआई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि मामले पर 14 अप्रैल को सुनवाई होगी। इससे पहले 28 मार्च को शीर्ष अदालत ने हिंदू पक्ष की एक याचिका पर 21 अप्रैल को सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की थी, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद परिसर विवाद से संबंधित वाराणसी की अदालत में दायर सभी मुकदमों को समायोजित करने का अनुरोध किया गया था।

बच्चे वाले वीडियो पर दलाई लामा ने मांगी माफी

धर्मशाला। तिब्बत के 14वें आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने अपने एक वीडियो पर खेद जताया है। सोशल मीडिया पर वायरल विवाद में वह एक बच्चे को गले लगाते, उसे चूमते नजर आ रहे हैं। दलाई लामा की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि वीडियो हालिया बैठक का है। बच्चे ने दलाई लामा को गले लगाने की इच्छा जाहिर की। बयान के अनुसार, दलाई लामा ने बच्चे और उसके परिवार से माफी मांगी है। दलाई लामा ने अपने शब्दों के लिए भी क्षमा याचना की। बयान के मुताबिक, दलाई लामा लोगों से बेहद मासूमियत के साथ मिलते हैं, वह इस घटना पर खेद जताते हैं। दलाई लामा एक बौद्ध कार्यक्रम में एक लड़के के होंठों को चूमते हुए देखे गए। उनका यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया। कई लोगों ने दलाई लामा के इस व्यवहार की आलोचना की। हालांकि, उनके अनुयायियों ने कहा कि वह भिक्षु लड़के के साथ मजाक कर रहे थे।

ट्रेन में चोरी हो जाए तो रेलवे करेगा सामान की भरपाई

नई दिल्ली। यदि आप रिजर्वेशन कोच में हैं और आपका सामान चोरी चला जाता है तो रेलवे उसकी भराई करेगा। चंडीगढ़ स्टेट कंज्यूमर कमीशन ने ट्रेन यात्रियों के हक में एक अहम फैसला सुनाया है। कमीशन ने कहा है कि अगर ट्रेन के आरक्षित डिब्बे में यात्री का सामान चोरी हो जाए तो यात्री के चोरी हुए सामान की भरपाई रेलवे को करनी होगी। ट्रेन में हुई स्नैचिंग की एक वारदात के लिए रेलवे को जिम्मेदार ठहराते हुए रेलवे को यात्री को सामान की कीमत अदा करने का आदेश दिया है। साथ ही 50 हजार रुपये हर्जाने के तौर पर भी रेलवे को देने होंगे। चंडीगढ़ के सेक्टर-28 निवासी एक व्यक्ति रामबीर की शिकायत पर कंज्यूमर कोर्ट ने यह आदेश दिया है। रामबीर की पत्नी का पर्स अंबाला रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति छीन कर ले गया था। पर्स में पैसे और कीमती सामान था। रामबीर परिवार के साथ चंडीगढ़ से दिल्ली जा रहे थे। रामबीर ने पहले डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर कोर्ट में रेलवे के खिलाफ वाद दायर किया था। लेकिन, वहां उनके मामले को खारिज कर दिया गया। जिला उपभोक्ता अदालत के आदेश के खिलाफ रामबीर ने स्टेट कंज्यूमर कमीशन में अपील की थी।

लोकसभा चुनाव में पूरे महाराष्ट्र में भगवा बहुमत से लहराएगा: शिंदे

-उद्धव पर तंज, आफिस में बैठकर निर्णय लेने वाला मुख्यमंत्री नहीं हूं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वर्ष 2024 के आम चुनाव के दौरान शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन का भगवा महाराष्ट्र में पूरे बहुमत से लहराएगा। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार अयोध्या पहुंचे सीएम शिंदे ने आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका के बारे में पूछने पर कहा, चुनाव में हमारी भूमिका बिल्कुल स्पष्ट है। हमारा भाजपा के साथ गठबंधन है। हम अयोध्या से ऊर्जा लेकर जाएंगे और 2024 में शिवसेना भाजपा का भगवा महाराष्ट्र में पूरे बहुमत से लहराएगा।

शिंदे ने दावा किया कि अयोध्या और राम मंदिर शिवसेना तथा भाजपा के लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, यह हमारी आस्था और श्रद्धा का विषय है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, कई लोगों को हिंदुत्व से एलर्जी रही है और अब भी हो रही है। कई लोग जानबूझकर हिंदुत्व का अपमान कर रहे थे, जबकि हिंदू धर्म एक जीवन प्रणाली है जिसमें एक सहिष्णुता है, लेकिन कई लोगों को लगता है कि हिंदुत्व अगर सभी के मन में बस जाएगा, तब उनकी राजनीतिक दुकान बंद हो जाएगी।''

शिवसेना और भाजपा की विचारधारा एक ही है। कुछ लोग जानबूझकर गुमराह करने वाली बातें करते हैं, लेकिन जनता समझदार है। शिंदे ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधकर कहा कि भगवान राम ने जहां पिता को नहीं दिए गए वचन की लाज रखने के लिए बिना किसी आपत्ति के 14 वर्ष का वनवास भोग लिया वहीं, ठाकरे ने अपने पिता स्व.बाला साहब ठाकरे की मंशा और इच्छा के विपरीत उन लोगों (कांग्रेस) के साथ मिलकर सत्ता के लालच में सरकार बना ली जिन्होंने राम मंदिर का विरोध किया था।

उन्होंने कहा, वर्ष 2019 में महाराष्ट्र का जनादेश था कि राज्य में शिवसेना-भाजपा गठबंधन की सरकार बने, लेकिन स्वार्थ और कुर्सी के लालच में गलत कदम उठाया गया, लेकिन हम लोगों ने आठ-नौ महीने पहले इस गलती को सुधार दिया। शिंदे ने उद्धव पर निशाना साधते हुए कहा, मैं ऑफिस या घर में बैठकर आदेश देने वाला मुख्यमंत्री नहीं हूं। मैं फील्ड में जाकर काम करने वाला मुख्यमंत्री हूं। अपनी अयोध्या यात्रा को लेकर महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की टिप्पणी के बारे में पूछे गए सवाल पर शिंदे ने कहा, पवार को मुझे यही कहना है कि राम मंदिर लाखों-करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रश्न है।

महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों से जुड़े सवाल पर सीएम शिंदे ने कहा, उत्तर भारतीय और महाराष्ट्र कभी अलग नहीं रहे। वह हमारे साथ खड़े हैं कंधे से कंधा मिलाकर। जो उत्तर भारतीय कई सालों से वहां रह रहे हैं वे सभी महाराष्ट्रवासी हो गए हैं और उन्हें वे सभी सुविधाएं मिलती हैं जो मराठी लोगों को दी जाती हैं। इससे पहले, शिंदे ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए, राम मंदिर निर्माण कार्य का अवलोकन किया और हनुमानगढ़ी भी गए। इस मौके पर शिवसेना भाजपा गठबंधन के मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या का बहुत तेजी से विकास हो रहा है और इससे लाखों लोगों को रोजी-रोटी में भी फायदा होगा। रविवार की शाम शिंदे अयोध्या में वैदिक मंत्रोच्चार और सरयू मैया की जय तथा हर-हर महादेव के नारों के बीच सरयू आरती में शामिल हुए। रामनामी दुपट्टा और भगवा चादर ओढ़कर उन्होंने सरयू नदी में जाकर दुग्ध अर्पित कर लोकमंगल की कामना की। शिंदे के साथ योगी सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी सरयू आरती में शामिल हुए।

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री ने केबिन क्रू से की मारपीट, एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। क्रू मेंबर्स से मारपीट करने वाले यात्री को विमान से उतार दिया गया। एअर इंडिया की दिल्ली-लंदन उड़ान में सोमवार को यह घटना घटित हुई। यात्री को उतारने के लिए विमान राष्ट्रीय राजधानी वापस आया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उड़ान एआई 111 में करीब 225 यात्री सवार थे। विमान को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) वापस लाया गया क्योंकि विमान में एक अशिष्ट यात्री सवार था। उन्होंने बताया कि इस अशिष्ट यात्री को हवाई अड्डे पर उतार दिया गया और इसके बाद विमान ने लंदन हीथ्रो के लिए उड़ान भरी। एअर इंडिया की दिल्ली-लंदन (एएल-111) उड़ान में उस वक्त हंगामा हो गया, जिस वक्त एक अनियंत्रित यात्री क्रू मेंबर्स के साथ झगड़ा करने लगा। हंगामा इतना बढ़ गया कि विमान को वापस लौटना पड़ा। कंपनी ने मामले पर बयान जारी कर कहा कि एअर इंडिया की उड़ान एआई 111 दिल्ली से लंदन जा रही फ्लाइट में पैसेंजर द्वारा गलत व्यवहार करने पर विमान को तुरंत वापस बुला लिया गया। बिना शिकायत किये व दर्ज कराए बिना ही यात्री लगातार दुर्व्यवहार करता रहा। यात्री ने केबिन क्रू के दो सदस्यों के साथ मारपीट भी की। लैंडिंग करने पर यात्री को सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया गया। पुलिस में एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। बता दें कि इससे पहले फरवरी में एअर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने कहा था कि हाल के समय में उड़ान के दौरान यात्रियों के खराब बर्ताव की घटनाओं के बाद एयरलाइन ने अपनी शराब पिलाने की नीति में बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन ने इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई की है।

अरुणाचल प्रदेश से अमित शाह का चीन को करारा जवाब, बोले- हमारी जमीन पर कोई आंख उठाकर नहीं देख सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज अरुणाचल दौरे पर हैं। अरुणाचल प्रदेश की किबिथू में उन्होंने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने चीन पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत की जमीन को हथियाने का जमाना चला गया है। अरुणाचल प्रदेश की जमीन से अमित शाह ने चीन को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सुई की नोक इतनी भी जमीन भारत से कोई छीन नहीं सकता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि देश की जमीन पर कोई अतिक्रमण नहीं कर सकता। हमारी जमीन पर कोई आंख उठाकर भी नहीं देख सकता। आपको बता दें कि आज ही चीन ने अमित शाह के अरुणाचल दौरे पर सवाल उठाया था। इससे पहले चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 11 चीजों के नाम बदल दिए थे। भारत ने तब करारा जवाब दिया था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूरा देश आज अपने घरों में चैन की नींद सो सकता है क्योंकि हमारे ITBP के जवान और सेना हमारी सीमाओं पर दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हम गर्व से कह सकते हैं कि हम पर बुरी नजर डालने की ताकत किसी में नहीं है। उन्होंने कहा कि अब सीमावर्ती गांवों का विकास किया जा रहा है। यहां से पलायन रूक रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती गांवों में विकास की धारा पहुंची है।

जंबो कोविड केंद्र हासिल करने वाली फर्म के खिलाफ किरीट सोमैया ने दर्ज कराई शिकायत, कहा- उद्धव के निर्देश पर दिया गया था अनुबंध

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने सोमवार को पुणे शहर की पुलिस में लाइफलाइन अस्पताल प्रबंधन सेवा (एलएचएमएस) और उसके साथी सुजीत पाटकर के खिलाफ 2020 में जंबो कोविड केंद्र के आवंटन में अनियमितता का आरोप लगाते हुए धोखाधड़ी और जालसाजी की शिकायत दर्ज कराई। सोमैया ने आरोप लगाया कि एलएचएमएस के पास स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन फर्जी दस्तावेज जमा करने के बाद पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी से 2020 में शिवाजीनगर में जंबो कोविद केंद्र का ठेका हासिल कर लिया।

मीडिया से बात करते हुए सोमैया ने कहा कि प्राधिकरण ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निर्देश के अनुसार एलएचएमएस को अनुबंध दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि एलएचएमएस द्वारा चलाए जा रहे कोविड केंद्र से कोरोना वायरस मरीजों को नुकसान हुआ और उनकी मौत हुई। उन्होंने दावा किया कि एलएचएमएस के सह-साझेदारों में से एक सुजीत पाटकर शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत के करीबी सहयोगी हैं। सोमैया ने शहर के अन्य भाजपा नेताओं के साथ शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन का दौरा किया और अपनी शिकायत दर्ज कराई, जिसमें मामले में करोड़ों रुपये के घोटाले का भी आरोप लगाया गया था।

22 फरवरी को ठाकरे के समर्थकों द्वारा सोमैया के साथ मारपीट की गई थी, जब वह जंबो कोविड-19 अस्पतालों की स्थापना में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पुणे नगर निगम में शिकायत दर्ज कराने गए थे। भाजपा नेता ने कहा कि निगम परिसर में हमला करने से पहले, सोमैया ने पुणे शहर की पुलिस में एलएचएमएस के खिलाफ कोविड रोगियों की मौत को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। उस समय हमने कोई दस्तावेज जमा नहीं किया था। आज हमने पुलिस शिकायत के साथ प्रासंगिक दस्तावेज संलग्न किए हैं।

शरद पवार ने बढ़ाई कांग्रेस की मुश्किलें, सहयोगी दल उठा रहे सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र और देश की सियासत में शरद पवार एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। जानकारों की मानें तो समझ में ही नहीं आ रहा कि शरद पवार आखिर किसके साथ हैं? क्या वह महाविकास अघाड़ी के साथ हैं या फिर उनके दिमाग में कुछ और ही चल रहा है? दरअसल शरद पवार ने कुछ दिन पहले यह बयान दिया था कि देश में मंहगाई, बेरोजगारी और बिगड़ता लॉ एंड आर्डर जैसे बड़े मुद्दे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री के ऊपर सवाल या विवाद खड़ा करने से असली समस्या खत्म नहीं होगी। पवार ने कहा कि किसी की डिग्री उनके लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं है। महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश की वजह से फसल बर्बाद हो चुकी है। लिहाजा ऐसे मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। पवार के इसी बयान की वजह से उनके ही सहयोगी दल उनपर सवाल उठा रहे हैं। उनसे यह भी पूछा जा रहा है कि सही मायने में वो किसके साथ हैं। वहीं कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट की राय भी पवार से मुख्तलिफ है। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के दो बयानों ने एमवीए में कुछ समय के लिए दरार दाल दी थी। जिसमें पहला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री का मामला और दूसरा अडानी मामले में जेपीसी की जगह सुप्रीम कोर्ट की कमिटी की निगरानी में जांच वाला बयान। पवार ने यह भी कहा था कि अडानी समूह के बारे में जिस हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर विपक्ष द्वारा इतना हल्ला मचाया जा रहा है। जबकि उस कंपनी की खुद की कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनी समिति का जांच का दायरा बहुत सीमित है और यह प्रधानमंत्री मोदी और अरबपति व्यवसायी के बीच गहरी सांठगांठ को सामने नहीं ला सकती। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस नेता दबी जुबान में शरद पवार के रुख पर सवाल खड़े कर रहे हैं। हालांकि, उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा है कि शरद पवार के रुख से महाराष्ट्र के साथ-साथ देशभर में विपक्षी एकता में दरार नहीं आएगी।

देवेंद्र फडणवीस ने हैलीकॉप्टर से बनाया राम मंदिर निर्माण का अद्भुत वीडियो

मुंबइ (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अयोध्या के राम मंदिर निर्माण को लेकर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो काफी ऊंचाई से शूट किया गया है जो ?कि हैलीकॉप्टर से उड़ान के वक्त बनाया गया है। जिसमें राम मंदिर निर्माण का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। दरअसल बीते दिनों महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अन्य सदस्यों के साथ अयोध्या के राम मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे थे। यह वीडियो उसी दौरान का बनाया हुआ है। इस दौरान यूपी के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ भी शिंदे और फडणवीस से मुलाकात के लिए पहुंचे थे। गौरतलब है ?कि अयोध्या का राम मंदिर अपने निर्माण को लेकर दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

यूपी के अयोध्या राम मंदिर दर्शन को पहुंचे सीएम एकनाथ शिंदे और डेप्युटी सीएम फडणवीस के साथ उनकी कैबिनेट भी मौजूद थी। इस दौरान महाराष्ट्र के सीएम शिंदे ने इस बात का दावा करते हुए कहा कि हम ही बाला साहेब के सपनों को पूरा करने का काम करेंगे। मीडिया से बातचीत के दौरान शिंदे ने दोबारा से उद्धव के साथ आने की अटकलों को पूरी तरीके से खारिज कर दिया। शिंदे ने कहा कि हम लोग ही बाला साहेब ठाकरे के असली उत्तराधिकारी हैं। इसलिए हम लोग ही उनके सपनों को पूरा करते हुए आगे ले जाने का काम करेंगे। उद्धव ठाकरे को लेकर किए गए सवाल के जवाब में शिंदे ने कहा कि हमारी विचारधारा आपस में मेल नहीं खाती। यही वजह थी कि हम लोगों ने अलग होने का फैसला किया था।

अनिल विज बोले- राहुल गांधी को हुआ अडानिया फीवर, इतना तो बताएं कि अडानी पर आरोप क्या है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में अडानी मामले को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। विपक्ष इस मामले पर सरकार की आलोचना कर रहा है। संसद सत्र के दौरान इस मामले को लेकर जेपीसी की मांग की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने अडानी केस को लेकर एक समिति भी गठित कर दी है। वहीं, भाजपा साफ तौर पर कह रही है कि विपक्ष बताएं कि अडानी पर आरोप क्या है? राहुल गांधी अडानी मामले को लेकर सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हैं। राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि नरेंद्र मोदी अपने मित्र को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर एक बार फिर से भाजपा ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि राहुल गांधी को रानी फीवर हो गया है।

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि राहुल गांधी अगर इतने ही बुद्धिमान हैं तो बताएं कि अडानी ने किया क्या है? उन्होंने कहा कि सारा दिन अडानी अडानी करते हैं, इसको तो अडानिया फीवर हो गया है।...बोलने नहीं दिया तो क्या स्पीकर के खिलाफ रहेंगे? तुमने सदन नहीं चलने दिया। उन्होंने कहा कि कौन बचा रहा है, कहां से बचा रहा है, राहुल गांधी इतना तो बताएं कि अडानी पर आरोप क्या है? उन्होंने साफ तरौ पर कहा कि राहुल गांधी को अडानी फिवर हो गया है, सारा दिन एक ही बात कहते हैं, बात तो बताएं कि क्या है।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को कहा कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' असफल होने के कारण कांग्रेस ने अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए अडाणी समूह पर लगे आरोपों के मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बढ़ती हुई लोकप्रियता से परेशान है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की बढ़ती हुई लोकप्रियता से कांग्रेस परेशान है। राहुल गांधी देश के नेता तो दूर, अपनी पार्टी के ही नेता नहीं बन पाए हैं।

चुनावी मोड में योगी, पहले निकाय और फिर लोकसभा में कमल खिलाना है

लखनऊ (एजेंसी)। (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने गृह जिले के दौरे में निकट भविष्य में होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए कहा कि हमें पहले निकाय और फिर लोकसभा चुनाव में कमल खिलाना हैं, इसके लिए रणनीति बनानी अभी से प्रारंभ हो जानी चाहिए। मुख्यमंत्री हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के मैदान पर करीब 1046 करोड़ रुपये की लागत वाले 258 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कमल निशान पर जो उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा, वह हर एक नागरिक का प्रत्याशी होगा, हमें इस बात का संकल्प लेना होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विकास और जनकल्याण को आगे बढ़ाने में सफलता इसकारण मिल रही है, कि यहां डबल इंजन की सरकार होने के साथ प्रखंड एवं निकाय स्तर तक भाजपा के कार्यकर्ता हैं, इससे लोगों को योजनाओं का लाभ मिलने में आसानी हो रही है। योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश को प्रत्येक क्षेत्र में हो रहे विकास का लाभ प्राप्त हो रहा है और छह वर्षों में उप्र ने एक नई आभा और नए कलेवर के साथ दुनिया के सामने अपनी पहचान बनाई है। विपक्षी दलों की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधकर योगी ने कहा कि छह वर्ष पहले उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बदतर थी, हर दूसरे-तीसरे दिन दंगे होते थे और न लोग सुरक्षित थें न बेटियां। अराजकता का तांडव था। आप देखा है कि छह साल से यूपी में एक भी दंगा नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार दंगाइयों का कानूनी तरीके से ठीक से इलाज कर रही है। अब यहां माफिया सिर तान कर नहीं चल सकता। बहन-बेटी की इज्जत से खिलवाड़ नहीं कर सकता। योगी ने कहा कि कोई गुंडा, माफिया किसी गरीब या कारोबारी का जमीन दुकान कब्जा करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। अगर किसी माफिया ने ऐसी जुर्रत की, तब ऐसा उपचार किया जाएगा कि उनकी कई पीढ़ियां अपराध करने से डरेंगी। लोकार्पण व शिलान्यास समारोह को सांसद रवि किशन शुक्ल, कमलेश पासवान व विधायक महेंद्र पाल सिंह ने भी संबोधित किया।

दो प्रमुख चीनी कार्यकर्ताओं 3 साल के लिए जेल में डाला गया

बीजिंग। दो प्रमुख चीनी कार्यकर्ताओं को 3 साल से अधिक समय तक हिरासत में रखने के बाद देशद्रोह के आरोप में जेल में डाला गया है। वकील डिंग जियाक्सी की पत्नी ने ट्वीट किया कि उन्हें शेडोंग प्रांत की एक अदालत ने 12 साल की जेल की सजा सुनाई है। उन्होंने कहा कि एक अन्य कार्यकर्ता कानूनी विद्वान जू झियोंग को 14 साल की जेल हुई थी। उनका बंद कमरे में परीक्षण जून 2022 में हुआ था। ह्यूमन राइट्स वॉच के प्रवक्ता ने उनके दोषसिद्धि को क्रूर और हास्यास्पद करार देकर उनकी सजा को तुरंत रद्द करने का आह्वान किया। 2010 में डिंग और जू ने नागरिक अधिकारों और सरकारी पारदर्शिता के लिए अभियान चलते हुए नए नागरिक आंदोलन की सह-स्थापना की थी। इस जोड़ी को पहली बार 2013 में बीजिंग में प्रवासी श्रमिकों के लिए समान सामाजिक और शैक्षिक लाभ के लिए बुलाए गए विरोध प्रदर्शनों में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था। बीजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ पोस्ट एंड टेलीकम्युनिकेशंस में 51 वर्षीय पूर्व व्याख्याता जू ने भी आरोप लगाया कि उन्हें प्रताड़ित किया गया था। उन्होंने 2020 में मीडिया से कहा था कि चीन में राजनीति पर खुलकर चर्चा करने की जगह नहीं है। यदि पार्टी के सदस्य राजनीति पर चर्चा करते हैं, तब उन पर सम्मान की कमी का आरोप लगाया जाता है।

चीन ने मैदान में उतारे फाइटर जेट और युद्धपोत, ताइवान भी मुस्तैद

ताइपे(ईएमएस)। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन के अमेरिका दौरे से चीन बुरी तरह से बौखला चुका है। वेन के दौरे के बाद चीन ने ताइवान की घेराबंदी शुरू कर दी है। अब कड़वाहट इतनी बढ़ गई है कि कभी भी दोनों देशों के बीच युद्ध छिड़ सकता है। वेन के अमेरिका यात्रा लौटने के कुछ घंटे बाद ही चीन की सेना ने तीन दिनों का युद्ध अभ्यास शुरू कर दिया। चीनी सेना ने रविवार को ताइवान को लक्ष्य बनाकर दूसरे दिन भी युद्ध अभ्यास किया। चीन लगातार इस युद्ध अभ्यास के नाम पर ताइवान की सीमा में घुसपैठ कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मिलिट्री ड्रिल को चीन ने ताइवान की सरकार के लिए कड़ी चेतावनी' करार दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय की तरफ से एक बयान में कहा गया है कि उसने सोमवार को सुबह 10 बजे तक ताइवान के पास 59 चीनी सैन्य विमानों को देखा। उनमें से 39 चीनी विमानों ने ताइवान स्ट्रेट मेडियन लाइन को पार किया और ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्रों में प्रवेश किया। इससे पहले रविवार को ताइवान ने दावा किया कि उसने शनिवार को शाम 4 बजे तक 71 चीनी फाइटर जेट और 9 नेवल शिप को ट्रैक किया है। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ताइवान ने एक बयान में कहा था कि इसमें 45 विमान शामिल हैं जो या तो ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार कर गए या दक्षिण-पश्चिम से ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश कर गए। वहीं बढ़ती तनातनी के बीच ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह चीन के युद्ध अभ्यास का 'शांत और संयमित' तरीके से जवाब दे रहे हैं। एमएनडी ने चीन पर क्षेत्रीय असुरक्षा और अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा था कि हमारी सेना अपनी सतर्कता और तत्परता बढ़ाएगी।

रवांडा की संसद में 55 फ़ीसदी महिलाएं

रवांडा। आफ्रिकी देश रवांडा की संसद में 55 फ़ीसदी महिलाएं सांसद हैं। सारी दुनिया में रवांडा ही एक ऐसा देश है जहां की संसद में जेंडर समानता से 5 फ़ीसदी अधिक महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। दुनिया में सबसे ज्यादा सुरक्षित महिलाएं रवांडा में हैं। दुनिया में इस समय महिलाओं का अकेले घूमना लगातार बढ़ रहा है। एक सर्वेक्षण में पाया गया है,कि सारी दुनिया में रवांडा में महिलाओं को सबसे ज्यादा सुरक्षा मिलती है। यहां अकेली महिला को कहीं पर भी आने जाने में कोई कठिनाई नहीं आती है। वह अपने आप को सुरक्षित मानती हैं।

12,216 करोड़ में बिकी दुनिया की सबसे महंगी नंबर प्लेट

दुबई। यह सुनकर ताज्जुब होगा कि एक विशेष नंबर प्लेट की बिक्री करोड़ों रुपयों में हो सकती है। जी हां यह सच है, दुबई में नीलामी के दौरान एक वाहन की नंबर प्लेट 12,216 करोड़ रुपयों में बिकी है। लोगों का मानना है कि जैसे किसी भी व्यक्ति की पहचान उसका नाम होता है, वैसे ही किसी भी गाड़ी की पहचान उसका नंबर होता है। कोई भी वाहन खरीदने के बाद उसके लिए एक यूनीक नंबर जारी किया जाता है और इसी नंबर से उसकी पहचान कायम रहती है। इसके लिए खरीदार को उसके लिए कुछ रुपये भी चुकाने पड़ते हैं। कई बार अपनी पंसद का नंबर लेने के लिए ये रुपये हजारों या लाखों तक भी पहुंचते हैं। कई बार ऐसी भी खबरें आई हैं जिसमें खरीदार ने कुछ करोड़ रुपये देकर नंबर को ऑक्शन में लिया हो या किसी व्यक्ति से खरीदा हो। यह चौंकाने वाली खबर दुबई से आ रही है जहां एक नीलामी के दौरान गाड़ी का नंबर इतना महंगा बिका कि ये गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। दुबई में मोस्ट नोबल नंबर की नीलामी की गई। इस दौरान कई नंबरों को ऊंची कीमत पर नीलाम किया गया। लेकिन पी7 नंबर पर बोली कुछ तेजी से बढ़ती गई। ये नीलामी 5.5 करोड़ दिरहम पर जाकार रुकी। यानि कि 122.6 करोड़ रुपये। ये बोली पैनल 7 के व्यक्ति ने लगाई थी जिसके बाद इस नंबर को पी7 का नाम दिया गया। ये किसी भी नीलामी में बिका सबसे महंगा नंबर साबित हुआ जिसके बाद इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया। हालांकि नंबर किसने खरीदा है इस बात को गुप्त रखा गया है क्योंकि खरीदार ने यही शर्त भी रखी थी।

बैसाखी मनाने 2500 भारतीय सिख तीर्थयात्री पहुंचे पाकिस्तान, लेंगे मुख्य कार्यक्रम में हिस्सा

नई दिल्ली। पाकिस्तान में 'बैसाखी मेला' उत्सव में भाग लेने के लिए करीब 2,500 सिख तीर्थयात्री रविवार को भारत से वाघा सीमा के रास्ते यहां पहुंचे। इवैक्यूई ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने बताया कि सिख त्योहार बैसाखी के समारोह में भारत से 2,470 तीर्थयात्री प्रबंधक समिति शिरोमणि गुरुद्वारा के सरदार अमरजीत सिंह के नेतृत्व में यहां पहुंचे। ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है। ईटीपीबी के अध्यक्ष हबीबुर रहमान गिलानी और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा बंधन समिति के प्रधान सरदार अमीर सिंह ने वाघा सीमा पर तीर्थयात्रियों की अगवानी की। हाशमी ने कहा कि सिख तीर्थयात्रियों को कड़ी सुरक्षा के बीच ननकाना साहिब भेजा गया जहां वे बाबा गुरु

नानक की जन्मस्थली पर धार्मिक अनुष्ठान करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्यक्रम 14 अप्रैल को गुरुद्वारा पंजा साहिब हसन अब्दल में होगा, जिसमें विभिन्न राजनीतिक, धार्मिक और सिख नेता भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्री 18 अप्रैल को भारत रवाना होने से पहले फारूकाबाद, करतारपुर, रोहरी साहिब, अमीनाबाद भी जाएंगे। गिलानी ने कहा कि सिख यात्रियों के लिए सभी प्रबंध बेहतरीन तरीके से किए गए हैं और उन्हें सुरक्षा, चिकित्सा और यात्रा व्यवस्था के साथ अन्य सभी प्रशासनिक व्यवस्थाएं मुहैया कराई जाएंगी। एसजीपीसी नेता अमरजीत सिंह भलीपुर ने कहा कि सिख तीर्थयात्रियों ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने दोनों पक्षों के तीर्थयात्रियों के लिए वीजा में आसानी पर भी जोर दिया।

दक्षिण अफ्रीका में ईस्टर संडे पर हुए सामुहिक विवाह में 800 से ज्यादा जोड़ों की शादी हुई।

नकदी की तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए कुछ नहीं कर पाए इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने एक बार फिर भारत की विदेश नीति की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि 'पाकिस्तान भारत की तरह सस्ता रूसी कच्चा तेल प्राप्त करना चाहता था। लेकिन वह ऐसा करने में सक्षम नहीं हो पाए क्योंकि उनकी सरकार गिर गई।' इमरान खान ने देश के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान खान ने वीडियो संदेश में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, 'हम भारत की तरह ही सस्ता रूसी कच्चा तेल प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका क्योंकि दुर्भाग्य से अविश्वास प्रस्ताव के कारण मेरी सरकार गिर गई।' बता दें कि वह पिछले 23 सालों में मास्को का दौरा करने वाले पहले पाकिस्तानी पीएम थे। खान ऐसा कोई सौदा नहीं कर सके जिससे नकदी की तंगी से जूझ रहे देश को राहत मिल सके। गौरतलब है कि पाकिस्तान अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है और खान ने इस तथ्य पर अफसोस जताया कि उनका देश रूसी कच्चे तेल को रियायती दर पर खरीद सकता है, जो यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को प्राप्त है। मालूम हो कि पिछले साल रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के दिन वह रूस में थे। उन्होंने अपने वीडियो में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी मुलाकात का भी जिक्र किया। दिलचस्प बात यह है कि यह पहली बार नहीं था जब इमरान खान ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने और रूसी तेल खरीदने के मामले में भारत की उपलब्धियों को स्वीकार किया।

क्या भारत ने ब्रिटेन के साथ तोड़ लिए अपने व्यापारिक संबंध?

विदेश मंत्रालय ने दिया ये जवाब

लंदन/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अधिकारियों ने ब्रिटेन के साथ व्यापार वार्ता को रोकने की खबरों का खंडन किया है। विदेश मंत्रालय ने इस तरह की खबरों को पूरी तरह से निराधार' बताया है। यूके स्थित द टाइम्स ने रिपोर्ट दी कि पिछले महीने लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमला करने वाली खालिस्तानी भीड़ पर कार्रवाई करने में विफल रहने के बाद भारत ने ब्रिटेन के साथ व्यापार वार्ता रोक दिया है। जिसके बाद विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी करते हुए ऐसी खबरों को निराधार बताया है। ब्रिटिश सरकार के सूत्रों का हवाला देते हुए टाइम्स ने बताया कि पिछले महीने लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमला करने वाले सिख चरमपंथी समूह की निंदा करने में विफल रहने का आरोप लगाने के बाद

भारत ने ब्रिटेन के साथ व्यापार वार्ता से 'विच्छेद' किया है।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि हमने रिपोर्ट देखी है जिसमें दावा किया गया है कि भारत ने ब्रिटेन के साथ अपने व्यापार समझौते को रोक दिया है, यह पूरी तरह निराधार है। सूत्रों ने कहा कि आधिकारिक वार्ता का अगला दौर 24 अप्रैल से लंदन में होने की संभावना है। विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन और भारत दोनों एक महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और पिछले महीने व्यापार वार्ता के नवीनतम दौर का समापन हुआ। बयान में कहा गया है कि विदेश सचिव ने भारतीय उच्चायोग में हिंसा के हालिया कृत्यों की निंदा की है और हम मेट्रोपॉलिटन पुलिस के साथ सुरक्षा की समीक्षा करने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बदलाव करने के लिए काम कर रहे हैं।

लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमला

19 मार्च को खालिस्तान समर्थक भीड़ ने कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह पर भारी कार्रवाई के खिलाफ लंदन में भारतीय उच्चायोग पर विरोध प्रदर्शन किया। अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस द्वारा 18 मार्च को बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया था, जो कई बार पुलिस को चकमा दे चुका है और अभी भी फरार है।

फ्रांस की दो टूक, अमेरिका की हर बात मानना यूरोप के लिए नुकसानदेह

पैरिस (एजेंसी)। फ्रांस से स्पष्ट कर दिया है कि यदि अमेरिका की हर बात मानी गई तो यह यूरोप के लिए नुकसानदे साबित होगी। हालांकि यह सभी जानते हैं कि ईरान और इराक का मुद्दा रहा हो या फिर यूक्रेन और रूस का। दुनिया के कई ऐसे टकराव के मामलों में यूरोप हमेशा से ही आंख मूंदकर अमेरिका का साथ देता रहा है। लेकिन इस बार ऐसे ही एक मुद्दे पर यूरोप अमेरिका को झटका देता नजर आ रहा है। चीन और ताइवान के मामले पर फ्रांस ने स्पष्ट कह दिया है कि इस तरह से अमेरिका की हर बात मानना यूरोप को केवल नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा है कि यूरोप को ताइवान के मुद्दे से दूरी बना लेनी चाहिए। फ्रांस के राष्ट्रपति की इस बात को अमेरिका के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। गौरतलब है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इन दिनों चीन मुरीद नजर आ रहे हैं। वह हाल ही में चीन की यात्रा पर गए थे। उन्होंने कहा है कि चीन और फ्रांस के बीच सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। वहीं उन्होंने यूरोपीय देशों से अमेरिका के बारे में खास अपील की है। मैक्रों ने कहा कि यूरोपीय देशों को अपनी निर्भरता अमेरिका पर कम करनी चाहिए। यूक्रेन और रूस के युद्ध की ओर भी इशारा करते हुए मैक्रों ने कहा कि यूरोप उन खतरों में फंस जाता है जो कि वास्तव में उसके हैं ही नहीं। उन्होंने कहा, हमें हर बात में अमेरिका का अनुसरण करना छोड़ना चाहिए और अपने फैसले खुद करने चाहिए। उन्होंने कहा कि ताइवान के मुद्दे पर चीन और अमेरिका दोनों से ही दूरी बनाना उचित है। आपको खुद ही सोचना चाहिए कि क्या ताइवान मामले को तूल देना किसी के हित में है? बता दें कि 5 से 7 अप्रैल तक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और मैक्रों साथ ही थे। फ्रांस ऐसा पहला पश्चिमी देश है जिसने औपचारिक रूप से चीन के साथ राजनयिक संबंध बनाए हैं और आपसी साझेदारी को लेकर संवाद स्थापित किया है।

इमरान ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए विदेश नीति और मोदी के कार्य को सराहा

- रूसी तेल पर इमरान ने अपनी सरकार को कोसा, कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा नहीं कर पाए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में गंभीर आर्थिक संकट के बीच पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान ने एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और कहा कि इस्लामाबाद भारत की तरह सस्ता रूसी कच्चा तेल प्राप्त करना चाहता था लेकिन ऐसा नहीं कर सका, क्योंकि उनकी सरकार गिर गई थी। इमरान ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए विदेश नीति और पीएम मोदी के कार्य को सराहा। पाकिस्तान में गंभीर आर्थिक संकट के बीच इमरान खान ने कहा कि वह इस बात से परेशान हैं कि उनका देश रियायती दर पर रूसी कच्चा तेल नहीं खरीद सका। इमरान खान ने पिछले साल फरवरी में मास्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इमरान खान ने एक वीडियो संदेश में कहा कि हम भारत की तरह सस्ता रूसी कच्चा तेल प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका, क्योंकि दुर्भाग्य से मेरी सरकार अविश्वास प्रस्ताव के कारण गिर गई। इमरान खान ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को स्वीकार करते हुए कहा कि दुनिया में नवाज शरीफ के अलावा किसी और नेता के पास अरबों की संपत्ति नहीं है। मुझे एक ऐसे देश के बारे

में बताएं जिसके प्रधानमंत्री या नेता के पास देश के बाहर अरबों की संपत्ति हो। यहां तक कि हमारे पड़ोसी देश में भी भारत के बाहर प्रधानमंत्री मोदी की कितनी संपत्ति है?

उन्होंने रूस से सस्ता तेल खरीदने के पीएम नरेंद्र मोदी के फैसले की भी तारीफ करते हुए कहा कि क्वाड का हिस्सा होने के बावजूद भारत ने अमेरिकी दबाव का सामना किया और अपने लोगों की सुविधा के लिए रूस से सस्ता तेल खरीदा। हमारी सरकार एक स्वतंत्र विदेश नीति के जरिए इसे हासिल करने की कोशिश कर रही थी। इस बीच, पाकिस्तान के पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने दावा किया कि रूस से सस्ते तेल की पहली खेप अगले महीने पाकिस्तान पहुंच जाएगी। मंत्री ने कहा कि मॉस्को के साथ डील को अंतिम रूप दे दिया गया है, पहली खेप एक कार्गो के जरिए अगले महीने पहुंचेगी।

अफगानिस्तान से रातोंरात भाग निकलने के बाइडेन प्रशासन के फैसले की निक्की हेली ने की निंदा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र में रिपब्लिकन पार्टी की पूर्व राजदूत निक्की हेली, जिन्होंने 2024 में राष्ट्रपति पद की दौड़ की घोषणा की है, ने राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की जल्दबाजी में वापसी और परिणामी अराजकता के लिए अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप को दोष देने की निंदा की है। बाइडेन ने अपने सहयोगियों को, जिन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद के खिलाफ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी, वापसी के बारे में विश्वास में नहीं लिया और तालिबान द्वारा चुनी हुई सरकार को मात देने के लिए आलोचना के लिए अमेरिका को खुला रखा। उन्होंने कहा, वे हमारा मजाक उड़ा रहे हैं। यह दुनिया भर में एक भयानक छवि है, जो हमारे पास है। हम पूरी तरह से हार गए।

व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते 12 पन्नों की एक अवर्गीकृत रिपोर्ट जारी की, जिसे उसने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी पर आफ्टर एक्शन समरी कहा, जिसे पहले तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुरू किया था और उसके बाद उनके उत्तराधिकारी जो बाइडेन ने किया था।

बाइडेन के प्रशासन ने जो कुछ किया, उसके लिए पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस को दोषी ठहराया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को तालिबान द्वारा कुचले जाने और सैनिकों की वापसी के बाद देश से राष्ट्रपति के पलायन ने दुनिया के सभी हिस्सों में आग लगा दी है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ने अफगानिस्तान से बाहर निकलने का दावा किया और उस दौरान काबुल हवाईअड्डे पर बमबारी में 13 सेवा सदस्य मारे गए थे।

हेली ने कहा, मेरा मतलब है, यह विचार कि हमने अपने सहयोगियों को बताए बिना आधी रात में अफगानिस्तान छोड़ दिया, जो दशकों से हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे, क्योंकि हमने उन्हें वहां रहने के लिए कहा था। मेरा मतलब है, इस बारे में सोचें कि उसने हमारे सहयोगियों को क्या बताया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बारे में सोचें कि उसने हमारे दुश्मनों को क्या

बताया। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत और दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर ने दावा किया कि अफगानिस्तान ने विशेष रूप से महिलाओं के साथ, इस तथ्य पर प्रगति की है कि महिलाओं को शिक्षित किया जा सकता है, महिलाओं के पास नौकरियां थीं, और महिलाएं इतनी प्रगति कर रही थीं।

चीन के साथ सभी मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार: मलेशियाई प्रधान मंत्री

क्वालालम्पुर (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थित देश मलेशिया ने कहा है कि दक्षिण चीन सागर में वह चीनी हस्तक्षेप के खिलाफ अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा करेगा। मलेशिया का यह बयान दक्षिण चीन सागर में मलेशियाई ऊर्जा परियोजनाओं पर चीन की आपत्ति के बाद आया है। मलेशियाई प्रधान मंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा है कि दक्षिण चीन सागर के एक हिस्से में मलेशिया की सरकारी एनर्जी फर्म पेट्रोनास की गतिविधियों पर चीन ने चिंता जताई है, जबकि यह प्रोजेक्ट उसकी भौगोलिक सीमा क्षेत्र में है। हालांकि, अनवर ने कहा है कि वह चीन के साथ सभी मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार हैं। उनकी इस पहल की विपक्षी नेताओं ने आलोचना की है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि अनवर चीन से बातचीत का प्रस्ताव देकर मलेशिया की संप्रभुता को खतरे में डाल रहे हैं। विपक्षी नेताओं के बयान के बाद मलेशिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा है कि अनवर की टिप्पणी का मतलब दक्षिण चीन सागर से संबंधित सभी मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से संप्रभुता से समझौता किए बिना हल निकालना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय ने कहा कि मलेशिया की सरकार दक्षिण चीन सागर में अपने समुद्री क्षेत्रों में मलेशिया की संप्रभुता, संप्रभु अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट रूप से और दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।

गौरतलब है कि चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता रहा है। इस सागर के माध्यम से सालाना लगभग तीन ट्रिलियन डॉलर का जहाज-जनित व्यापार होता है। इस सागर पर मलेशिया-चीन के अलावा ब्रुनेई, फिलीपींस, ताइवान और वियतनाम भी अपना-अपना दावा करता रहा है। दक्षिण चीन सागर में मलेशिया के एक्सक्लूसिव इकनॉमिक जोन के अंदर पेट्रोनास तेल और गैस क्षेत्रों का संचालन करता है। हाल के वर्षों में पेट्रोनास के साथ चीनी जहाजों ने कई टकराव खड़े किए हैं। चीन इस सागर में अपने नक्शे पर नौ-डैश लाइन के संदर्भ में अपना दावा करता है, जो मुख्य भूमि के दक्षिण में 1,500 किमी तक दूर है। इस दावे से वियतनाम के ईईजेड में कटौती होती है। अनवर ने चीन की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए कहा कि इस हफ्ते पेट्रोनास दक्षिण चीन सागर में अपनी गतिविधियां जारी रखेगी।

भारत पहुंची यूक्रेन की उप विदेश मंत्री, कहा- विश्वगुरु भारत के पास हमारा समर्थन करना ही एकमात्र विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन की उप विदेश मंत्री एमीन झापरोवा सोमवार को दिल्ली में विदेश मंत्रालय पहुंचीं। झापरोवा आज से अपनी चार दिवसीय भारत यात्रा शुरू करने वाली हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से वह भारत का दौरा करने वाली पहली यूक्रेनी अधिकारी हैं। यात्रा के दौरान, झापरोवा सचिव (पश्चिम), विदेश मंत्रालय (एमईए), संजय वर्मा के साथ बातचीत करेंगी, जहां दोनों पक्षों के द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने, यूक्रेन की मौजूदा स्थिति और आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने की उम्मीद है।

यूक्रेन के उप विदेश मंत्री एमिन दझापरोवा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत को अपने ऊर्जा संसाधनों, सैन्य अनुबंधों और राजनीतिक बातचीत में विविधता लाने में व्यावहारिक होना चाहिए। पीएम मोदी की लोकतंत्र, संवाद और विविधता और ÷युद्ध का कोई युग नहीं÷ और रणनीतिक अनुप्रयोग की नीति वास्तव में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्वगुरु, गोल्बल टीचर और मध्यस्थ बनना चाहता है। ऐसे में सच्चे विश्वगुरु के पास यूक्रेन का समर्थन करना ही एकमात्र विकल्प है।

नौ से 12 अप्रैल तक भारत के आधिकारिक दौरे पर

झापरोवा यात्रा के दौरान विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी से भी मुलाकात करेंगी और उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिश्री से भी मुलाकात करेंगी। भारत यूक्रेन के साथ मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध और बहुमुखी सहयोग साझा करता है, और राजनयिक संबंध स्थापित करने के पिछले 30 वर्षों में, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग ने व्यापार, शिक्षा, संस्कृति और रक्षा के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यूक्रेन के विदेश मामलों के पहले उप मंत्री एमीन दझापरोवा की यात्रा दोनों देशों के बीच आपसी समझ और हितों को आगे बढ़ाने का अवसर होगी।

संपादकीय

जो चांद तक जाएंगे

लगभग छह महीने से उन अंतरिक्ष यात्रियों का इंतजार था, जिन्हें चांद तक जाना है। पचास साल से ज्यादा समय बीत गया, कोई इंसान न तो चांद पर उतरा है और न उसके पास गया है। अब नासा और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (सीएसए) ने चार अंतरिक्ष यात्रियों की घोषणा की है, जो आर्टेमिस-2 पर सवार चंद्रमा की परिक्रमा करेंगे। इस अभियान में यात्रियों को चांद पर उतारने की योजना नहीं है। यात्री चांद को करीब से देख पाएंगे। वास्तव में, यह चंद्रमा पर दीर्घकालिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए नासा का पहला क्रू-मिशन है। इसका अर्थ यह है कि इस अभियान के बाद भी चांद पर मानव उपस्थिति को सशक्त करने के सतत अभियान चलेंगे। एक ऐसा अंतरिक्ष केंद्र चांद पर बनाने की कल्पना है, जहां से दूसरे ग्रहों के लिए अभियान चला करेंगे। पृथ्वी के करीब स्थित उपग्रह चांद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पड़ाव हो जाएगा। फिलहाल चांद से मंगल तक पहुंचने की योजना तैयार है। यह इंसानी सभ्यता के लिए एक बड़ी कामयाबी होगी। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन की टिप्पणी वाकई अभिभूत कर देती है कि अंतरिक्ष यात्रियों का यह दल हमें सितारों तक ले जाने के लिए अथक परिश्रम करने वाले हजारों लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यह उनका दल है, यह हमारा दल है, यह मानवता का दल है। चांद तक जाने के लिए जो अंतरिक्ष यात्री चुने गए हैं, उनकी ओर पूरी दुनिया देख रही है। कमांडर रीड वाइसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ-1 क्रिस्टीना हैमॉक कोच और मिशन विशेषज्ञ-2 जेरेमी हैनसेन, ऐसे चार अंतरिक्ष यात्री हैं, जो चांद तक मानवता की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। यह अभियान करीब दस दिनों का होगा और इस दौरान हजारों प्रकार के परीक्षणों को अंजाम दिया जाएगा। अनेक नई तकनीकों का व्यावहारिक परीक्षण होगा। विगत 51 वर्षों में चांद तक पहुंचने की तकनीक में काफी परिवर्तन हुए हैं। एक बात यह भी गौर करने की है कि यह अभियान अमेरिका और कनाडा मिलकर कर रहे हैं। अभी तक चांद तक जाने का गौरव अमेरिकियों को ही हासिल था। तत्कालीन सोवियत संघ ने खूब प्रयास किए थे, लेकिन जब अमेरिकियों ने चांद पर बार-बार पहुंचकर अपनी वैज्ञानिक तरक्की के झंडे गाड़ दिए, तब रूस शायद अपने सम्मान की रक्षा के लिए अचानक ही चंद्र अभियान से पीछे हट गया। यह कनाडा और उसकी अंतरिक्ष एजेंसी के लिए गौरव की बात है। जेरेमी हैनसेन कनाडाई नागरिक हैं और अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुने जाने का सौभाग्य उन्हें हासिल हुआ है। इन चारों को योग्यता के हर पैमाने पर परखने के बाद चुना गया है। ये सभी तकनीकी रूप से बहुत कुशल और प्रतिकूल स्थितियों में भी यथोचित निर्णय लेने में माहिर हैं। यह नई सदी में अंतरिक्ष यात्रियों की पहली ऐसी पीढ़ी होगी, जिसकी सफलता पर आगे के अंतरिक्ष अभियान निर्भर करेंगे। कम से कम पांच देश हैं, जो चांद पर इंसान भेजने के लिए प्रयासरत हैं। खैर, फिलहाल चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्रियों को पूरी तरह से अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार किया जाएगा। अंतिम तैयारी भी बहुत कठिन और जटिल होती है। वैज्ञानिक तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

काम की महत्ता का भी हो मूल्यांकन

अरुण मायरा

'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के तहत भारत में इस साल जी-20 सम्मेलन का आयोजन चल रहा है जिसका विषय वस्तु है 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'। हम चाहते हैं कि विश्व के समस्त नागरिक सौहार्द से रहें, वह सौहार्द जो पशुओं और वनस्पति से भी हो, जिनके साथ हमारी धरती की सांझ है। हमारे समक्ष अपनी अर्थव्यवस्था और समाज पर मनन करने को बड़े सवाल हैं। एक सवाल जो भारतीयों के लिए है : भारतीय अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी हो जाएगी और कब? वहीं दूसरा सवाल संसार के सभी नागरिकों के लिए है : वे किस तरह के समाज में जीना चाहेंगे? इंसान जो कार्य करता है वह उसके दायरे की अर्थव्यवस्था से जुड़ा होता है। अब एक तरफ, मनुष्य जिस किस्म का काम करता है, अर्थव्यवस्था में उस काम का मूल्यांकन कितना होता है तो दूसरी तरफ समाज में उसका कितना मोल है। हमें अपने उन पूर्वजों का सम्मान करना चाहिए जिनकी कर्मठता की बदौलत हमें जीवन मिल पाया है। क्योंकि अगर हम उनके काम का मोल नहीं जानेंगे तो हमारा वजूद भी ज्यादा देर नहीं रहने वाला। अर्थव्यवस्था में, उसी काम को मूल्यांकन योग्य समझा जाता है जिसमें कमाई होती हो, क्योंकि इसकी कीमत को नापा जा सकता है और यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान करता है। जब से मनुष्य का आगमन पृथ्वी पर हुआ है, हमारी मांओं ने इस संसार में हमें लाने के लिए बहुत कष्ट सहे हैं। उन्होंने हमें पाल-पोस कर बड़ा किया लेकिन बदले में बिना किसी भुगतान के। उन्होंने यह काम इसलिए किया क्योंकि उनके लिए यह करना नैसर्गिक था और तृप्ति देता था। माताओं की मेहनत और देखभाल समाज में भलाई प्रदान करती है, भले ही इससे जीडीपी के आंकड़ों में कुछ इजाफा न होता हो। सदियों से, किसान हमारा पेट भरने के लिए अन्न उगा रहे हैं। शताब्दियों से, राजगीर अपने कौशल से हमारे रहने के मकान बनाते आये हैं। उन्होंने शानदार मकबरे भी बनाए हैं, जिन्हें बड़े गर्व से दुनिया को दिखाकर बताते हैं कि हम कौन हैं। जहां हम माओं को उनके काम के लिए कुछ भुगतान नहीं करते वहीं किसान को अन्न उगाने के लिए तो राजगीरों को भवन निर्माण के लिए कीमत अदा करते हैं। लेकिन हम मांओं के काम का कितना मौद्रिक मूल्यांकन जोड़ते हैं? उनके काम की कितनी कीमत तय करते हैं? किसान और मिस्त्री के मामले में, काम का मोल उनके और खरीदार के बीच व्यापारिक हिसाब से तय होता है। एक पक्ष का श्रम, कौशल और दिया गया समय होता है तो दूसरा पक्ष भुगतान करता है। पैसे को तिजोरी में रखा जा सकता है, जिनके पास धन होता है वे भुगतान करने के लिए बेहतर समय का इंतजार कर सकते हैं। लेकिन जिन्होंने मेहनत लगाई होती है, वे मेहनताना पाने का इंतजार नहीं कर सकते, उनका काम वह नहीं है जिसका भण्डारण हो सके। एक अर्थव्यवस्था में, जिनके हाथ में पैसे का नियंत्रण है, उनकी मोल-भाव करने की ताकत उतनी ही ज्यादा होती है। मजदूर को पसीना सूखने से पहले भुगतान हो जाना चाहिए और किसान को उत्पाद सड़ने से पहले। एक पूंजीवादी देश और समाजवादी मुल्क में असल फर्क यह नहीं है कि सरकार या निजी क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का पहिया चलाते हैं या नहीं बल्कि इसको लेकर है कि उस राज्य की अर्थव्यवस्था में इंसान का कितना मोल है, और उन्हें कितनी इज्जत दी जाती है। समय आ गया है कि अर्थव्यवस्था में पारिवारिक भावना फिर से आये ताकि समूचा विश्व एक परिवार की तरह महसूस करे। मैं तमाम अर्थशास्त्रियों से दो सवाल पूछता हूं, चाहे वे खुद को पूंजीवादी समझते हैं या समाजवादी, पहला सवाल है कि समाज में महिलाओं द्वारा निभाये काम का कितना मोल लगाएंगे। दुनियाभर में और अधिक महिलाओं को श्रमशक्ति में शामिल करने का अभियान चला हुआ है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि भारत में बहुत कम महिलाएं धन की खातिर रोजगार करती हैं। उनका कहना है, यदि इनकी संख्या ज्यादा हो जाए तो अर्थव्यवस्था और तेज गति से बढ़ेगी। लगता है वे भूल रहे हैं कि करोड़ों भारतीय महिलाएं अपने घर से बाहर निकलती हैं और हर दिन कमाई करती हैं- बतौर एक महिला-किसान, महिला-मजदूर, घरेलू नौकरानी, आया, साफ-सफाई कर्मी इत्यादि। उनके काम को अर्थव्यवस्था में ज्यादा अधिमान नहीं दिया जाता चूंकि वे पुरुषों के बराबर नहीं कमाती, तो उनकी इज्जत मर्दों जितनी नहीं है। अर्थशास्त्रियों को सोचना चाहिए कि यदि यही महिलाएं किसी औपचारिक पेशे में काम करें तो वह भी सीख कर, वह सब काम कर सकती हैं जो पुरुष करते हैं। इसी से मेरा दूसरा सवाल आता है। पूंजीवादी इंसान की ज्यादा कद्र नहीं करते। वे मानव कर्मियों की जगह स्वचालित मशीन लगाना पसंद करेंगे क्योंकि न तो वे यूनियन बनाती हैं न ही वेतन में बढ़ोतरी की मांग। तकनीक में विकास तेजी से हो रहा है। मशीनें अब लगभग वे सारा काम कर सकती हैं जिन्हें करने के लिए इंसानी हाथों की जरूरत होती है। अब तो कामकाज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) इंसानी दिमाग की जगह ले रही है। इसलिए औपचारिक रोजगार में इंसानी काम घटता जा रहा है, यहां तक कि अमीर देशों में भी। सवाल है, भारतीय युवा और भारतीय महिला श्रम बल- जोकि कि विश्व में विशालतम है- उनमें कितनों को भविष्य में औपचारिक क्षेत्र में रोजगार मिलेगा? एक पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में, पूंजीपतियों की मशीनों के उत्पादन में लगने वाले स्रोत प्रकृति का दोहन करके आते हैं। सरमायादारों की दुनिया में इंसान और धन कमाने में एक अन्य संसाधन भर है। तकनीकी विकास के साथ पूंजीवाद को अब उत्पादन के लिए मनुष्यों की जरूरत नहीं। उनके लिए तो उपभोक्ता ज्यादा अहम है जो उनकी मशीनों का बनाया माल खरीद ले। समस्या यह है कि जो आलम है, उनमें उपभोक्ता के पास वस्तु खरीदने लायक पैसा होगा कहां, जब उनके पास न तो रोजगार हो या फिर न ही माकूल कमाई? अर्थशास्त्री अपने सांख्यिकी समीकरण में मनुष्यों को एक आंकड़े की तरह देखते हैं। समाजवादी सोच रखने वाले अर्थशास्त्री और पूंजीवादी मानसिकता वाले अर्थशास्त्री आंकड़ों को लेकर एक दूजे से बहस करते रहते हैं कि कितने लोग गरीब हैं और कितने लोगों के पास रोजगार है। अर्थशास्त्री अपने आंकड़ों से नीतियों को प्रभावित करने का यत्न करते हैं।

समय आ गया है कि सभी अर्थशास्त्री, और नीति निर्माता भी, अपने लोगों की सुनें। उन्हें उनकी आवाजें सुननी चाहिए जिन्हें वे केवल इसलिए कम महत्वपूर्ण मानते हैं क्योंकि उनके पास दूसरों जितना धन नहीं है और इसलिए कम समझदार समझते हैं क्योंकि वे गरीब हैं। बहुत से समुदाय ऐसे हैं जो भविष्य को लेकर, अर्थव्यवस्था और समाज में, अपनी भलाई को लेकर चिंतित हैं। इनमें महिलाएं, युवा, किसान, उद्योग मजदूर, स्व-रोजगार कामगार और छोटे काम-धंधे वाले भी शामिल हैं। उन्हें राजनीतिक दलों के प्रति निजी निष्ठाओं से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। उनकी आवाजों को अवश्य सुना जाए, और यह सुनवाई अभी हो।

लेखक योजना आयोग के पूर्व सदस्य हैं।

समयबद्ध न्याय के लिए उपभोक्ता अदालत कारगर!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

जागो ग्राहक जागो एक ऐसा संदेश है ,जो सभी को जागरूक करने के लिए प्रेरित करता है।उपभोक्ता के न जागने पर जहां उन्हें शोषित होना पड़ता है,वही जागरूक होने पर वह अपने साथ हो रहे अन्याय से बच सकता है।देश मे उपभोक्ताओं के हित को सर्वपरि रखते हुए अनेक प्रयास किए गए है।जिनमे मूल्य निगरानी तंत्र को मजबूत करने से लेकर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करने वालों पर शिकंजा कसने तक कार्य उपभोक्ता जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को राहत देने और सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई ठोस प्रयास केंद्र व राज्य स्तर पर किए गए।उपभोक्ताओं को न्याय प्रदान करने के लिए गठित उपभोक्ता आयोग के पास उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत ऐसी कई विधिक शक्तियां है जिनके बल पर उपभोक्ता आयोग पीड़ित व शोषित उपभोक्ता को समयबद्ध न्याय दे सकता है।उपभोक्ता द्वारा न्याय प्राप्ति के लिए दर्ज कराई गई शिकायत पर विरोधी पक्ष यानि जिनके विरुद्ध शिकायत की गई है,वह परिवाद की जानकारी मिलने के 30 दिन के अंदर अपना जवाब या फिर आपत्ति दे सकता है और उपभोक्ता आयोग को उपभोक्ता अधिनियम में उल्लिखित 15 दिनों की निर्धारित अवधि से अधिक के विरोधी पक्ष के लिखित बयान को दाखिल करने में देरी को माफ करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।

इस मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के समक्ष विरोधी पक्ष ने 45 दिनों की अवधि के बाद लिखित बयान दाखिल किया।आयोग ने यह कहते हुए देरी को माफ करने से इनकार कर दिया,कि

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 13 (1) (ए) के तहत प्रदान किए गए लिखित बयान को दाखिल करने का समय अब उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 38 (2) (ए) द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है जो 20जुलाई सन 2020 से लागू है, के तहत जवाबदावा दाखिल करने का समय समाप्त हो गया है। इस आयोग के पास क़ानून में प्रदान किए गए अनुसार 30 + 15 दिनों से अधिक की देरी को माफ करने की शक्ति नहीं है।

इस आदेश के खिलाफ विरोधी पक्ष ने विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर कर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस एमएम सुंदरेश ने उंक्त एसएलपी को खारिज करते हुए कहा,

यह विवाद में नहीं है कि लिखित बयान 45 दिनों की अवधि से परे दायर किया गया था। फाइल करने की सीमा की अवधि 30 दिन है, जिसे केवल 15 दिनों तक ही माफ किया जा सकता है। जैसा कि इस न्यायालय द्वारा इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड बनाम हिली मल्टीपर्पज कोल्ड स्टोरेज (पी) लिमिटेड (2020) 5 एससीसी 757 मामले में देखा गया है। ट्रिब्यूनल के पास क़ानून में उल्लिखित निर्धारित अवधि से अधिक देरी को माफ करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।

हिली मल्टीपर्पज कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड में, संविधान पीठ ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 उपभोक्ता फोरम को 45 दिनों की अवधि से आगे का समय बढ़ाने का अधिकार नहीं देता है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 13 के तहत निर्धारित समय अवधि अनिवार्य है। यह भी देखा गया कि शिकायत के साथ नोटिस प्राप्त होने के समय से समयसीमा शुरू होगी, न कि केवल नोटिस भेजने की तिथि से।जवाबदावे के लिए समय सीमा का निर्धारण करने के पीछे समयबद्ध न्याय प्राप्त कराना है।उपभोक्ता अधिनियम 2019 उपभोक्ता शिकायतों की सुनवाई को बार बार स्थगित करने के पक्ष में नही है।लेकिन फिर भी कही उपभोक्ता आयोगों में कोरम का अभाव, कही वकीलों की हड़ताल तो कही उभय पक्षो में से किसी भी पक्ष द्वारा या फिर दोनों पक्षो द्वारा बार बार तारीख लेने की प्रवर्ति के चलते उपभोक्ता शिकायतों के निस्तारण में देरी हो जाती है।जिसमे सुधार की आवश्यकता है।डॉ ए सुरेश कुमार बनाम अमित अग्रवाल में, अदालत ने माना कि संविधान पीठ द्वारा घोषित उपभोक्ता कानून उपभोक्ताओं को न्याय के लिए संचालित होता है।इस कानून के अंतर्गत सेवानिवृत्ति लाभ या नौकरी समाप्ति के बाद मिलने वाले लाभों के लिए उपभोक्ता अदालतों का दरवाजा नहीं खटखटाया जा सकता। ईपीएफ को छोड़कर सेवानिवृत्ति के लाभ से जुड़े मामले उपभोक्ता कानून के दायरे में नहीं आते। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पूर्व बैंक कर्मी कोंडारेड्डीगारी आदिनारायणारेड्डी की पुनरीक्षण याचिका को सुनवाई योग्य न पाते हुए यह अभिमत व्यक्त किया।जिसमे याचिकाकर्ता ने उपभोक्ता आयोग से ग्रेच्युटी के साथ ही प्राविडेंट फंड में बैंक द्वारा जमा कराया गया हिस्सा दिलाने की मांग की थी। हालांकि आयोग ने शिकायतकर्ता को सक्षम ट्रिब्यूनल या सिविल कोर्ट जाने की छूट दी है। शिकायतकर्ता ने ग्रेच्युटी और प्राविडेंट फंड में बैंक की ओर से जमा कराया गया हिस्सा दिलाने की मांग करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत की थी। जब उसकी याचिका खारिज हो गई तो वह राज्य उपभोक्ता आयोग गया। वहां से भी उसे राहत नहीं मिली। इसके बाद मामला राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग आया। दोनों निचले आयोगों पर पूर्व बैंक कर्मी की याचिका तो खारिज कर दी गई थी, लेकिन बैंक द्वारा याचिका की सुनवाई के क्षेत्राधिकार को लेकर उठाई गई आपत्ति पर विचार नहीं किया था।

सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों में कहा गया है कि ईपीएफ के मामले उपभोक्ता कानून के दायरे में आते हैं। ये दो फैसले शिव कुमार जोशी और रीजनल प्राविडेंट फंड बनाम भवानी हैं। जबकि दो अन्य फैसले भी हैं जिनमे जगमित्तर सिंह भगत और श्रीपत राव कामडे के केस है, जिसमें कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी के सेवा संबंधी मामले उपभोक्ता कानून के तहत नहीं आते, क्योंकि वे उपभोक्ता की परिभाषा में नहीं आते। इनके लिए शिकायतकर्ता को सक्षम सर्विस ट्रिब्यूनल या सिविल कोर्ट जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक इंप्लाई प्राविडेंट फंड योजना तो उपभोक्ता कानून के दायरे में आएगी लेकिन प्राविडेंट फंड और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ का मामला उपभोक्ता संरक्षण कानून के दायरे में नहीं आता।इसलिए उपभोक्ताओं को उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराने से पहले स्वयं के उपभोक्ता होने के बारे में सुनिश्चित हो जाना चाहिए।(लेखक राज्य उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता है)

विचार मंथन

कर्नाटक में अमूल दूध और गुजराती मॉडल को लेकर ध्रुवीकरण

(लेखक- सनत जैन)

दुग्ध उत्पादों के कारोबार में अमूल को राष्ट्रीय ब्रांड बनाने की जो कोशिश हो रही है। उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया कर्नाटक और दक्षिण के राज्यों में होना शुरू हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले दिनों कर्नाटक पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने बयान दिया था, कि कर्नाटक मिल्क फेडरेशन का अमूल में विलय कर दिया जाएगा। कर्नाटक का दुग्ध फेडरेशन नंदिनी ब्रांड नेम के नाम से अपने उत्पाद बेचता है। कर्नाटक फेडरेशन का दूध और उससे बने उत्पाद कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र इत्यादि राज्यों में भी जाता है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा कर्नाटक मिल्क फेडरेशन को अमूल में विलय किए जाने के बयान को लेकर, कर्नाटक की राजनीति में तूफान आ गया है। इसी तरह तमिलनाडु में भी खाने पीने की चीजों और दुग्ध फेडरेशन के दूध, दही के पैकेट में हिंदी भाषा में नाम लिखने को लेकर विवाद चल रहा था। दही के पाउच पर दही लिखने को लेकर तमिलनाडू में विरोध शुरू है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने सीआरपीएफ की परीक्षा में तमिल भाषा को शामिल नहीं किए जाने पर तमिलों पर हिंदी भाषा को जबरिया थोपाने का आरोप लगाकर विरोध शुरू कर दिया है। बेंगलुरु के पास अमूल को भूखंड आवंटित किए जाने और कर्नाटक मिल्क फेडरेशन और उसके नंदिनी ब्रांड नेम को अमूल में विलय को लेकर कर्नाटक में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह विवाद शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। अगले माह कर्नाटक में विधानसभा चुनाव है। इसको लेकर कर्नाटक में गैर भाजपा दलों ने भी इसे चुनावी मुद्दा बना लिया है। कांग्रेसी नेता सिद्धारमैया ने भाजपा पर सहकारी दुग्ध संघ और उसके ब्रांड नंदनी को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के कर्नाटक दौरे और गुजराती मॉडल पर आरोप लगाये हैं। उन्होंने कहा, कि नंदिनी ब्रांड को लूटने के लिए गुजरात से आए हैं। गुजरात का बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक है। इसमें कर्नाटक के विजया बैंक का विलय करा दिया गया। बंदरगाह और हवाई अड्डे गुजरात के अडानी समूह को दे दिए गए हैं। अमूल भी हमारे नंदनी ब्रांड को खाने के लिए कर्नाटक आ गया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के साथ इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, जैसे हम उनके दुश्मन हों। कर्नाटक की पहचान, विशिष्टता और संसाधनों का गुजराती मॉडल कर्नाटक को स्वीकार नहीं होगा। गुजरात की कंपनी अमूल ने कर्नाटक में अपने प्रोडक्ट बेचने का ऐलान किया। जैसे ही कर्नाटक मिल्क फेडरेशन और नंदिनी ब्रांड नेम को अमूल में विलय की बात केंद्रीय गृह मंत्री ने की। उसके बाद से कर्नाटक में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। सोशल मीडिया पर बाय काट अमूल, गो बेक अमूल, सेव नंदिनी, जैसे हेशटेग कर्नाटक भाषा में सोशल मीडिया में बड़ी मात्रा में ट्रेंड करने लगे है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के ठीक पहले कर्नाटक में अडानी समूह, अमूल तथा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे बढ़े हैं। इसे कन्नड विरोधी गुजराती मॉडल से जोड़कर प्रचारित किया जा रहा है। इसे कर्नाटक और कन्नड़ की अस्मिता से जोड़कर भी देखा जा रहा है। एकाएक यह मामला जिस तरीके से चुनाव के पहले मतदाताओं तक पहुंच रहा है। उससे भाजपा की मुसीबत बढ़ना तय मानी जा रही हैं। कर्नाटक के साथ-साथ दक्षिण भारत के राज्यों में भी भाषा को लेकर दक्षिण के राज्यों में गुजराती मॉडल को जबरिया दक्षिण के राज्यों में प्रवेश साउथ वर्सेस गुजरात का नया ध्रुवीकरण शुरू हो गया है। इसका विधानसभा चुनाव में क्या असर होगा। इसको लेकर कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणामों को लेकर भी तरह-तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के कर्नाटक में जितने ज्यादा दौरे होंगे। कर्नाटक में उसका फायदा कम और नुकसान ज्यादा होने की संभावनाएं चुनावी प्रेक्षकों को दिखने लगी हैं।

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए-

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए-

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके -हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता-पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे-

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल- टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान -जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल-पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन - छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर- ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब- वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2- 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

पोस्ट ऑफिस के सेविंग अकाउंट, पीपीएफ और एसएसए में पैसे ट्रांसफर करना हुआ आसान

नई दिल्ली । अब आप सीधे अपने बैंक खाते से अब एनईएफटी और आरटीजीएस के माध्यम से पोस्ट ऑफिस के सेविंग अकाउंट, पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि खाते (एसएसए) में पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। संचार मंत्रालय के नए आदेश एसबी ऑर्डर नंबर. में बताया गया है कि अब बिना बेनिफिशियरी जोड़े ऑनलाइन इन योजनाओं में पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। संचार मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आप अपने बैंक अकाउंट से पोस्ट ऑफिस के सेविंग अकाउंट, पीपीएफ और एसएसए खाते में बिना बेनिफिशियरी जोड़े पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। संचार मंत्रालय ने सर्कुलर जारी कर कहा कि यह देख गया है कि खाताधारकों और स्टाफ में इसे लेकर कम जानकारी है। इस कारण संबंधित संस्था की ओर से बैंक खाते से एनईएफटी और आरटीजीएस के जरिए पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट, पीपीएफ और एसएसए में पैसे ट्रांसफर का निर्णय लिया गया है। पीपीएफ और एसएसए में पिछले साल से जुड़ा कोई बकाया भुगतान नहीं होना चाहिए। इसे आपको नजदीकी पोस्ट ऑफिस में जाकर जमा करना होगा। अगर आपके पीपीएफ अकाउंट की अवधि पूरी हो गई है, तो आपको एक साल के अंदर पोस्ट ऑफिस जाकर मैच्योरिटी को बढ़ाना होगा।

सीएनजी की कीमत में 10 फीसदी की होगी कटौती

नई दिल्ली । सीएनजी से कार चलाने वालों के लिए एक राहत भरी खबर आई है। बहुत जल्द सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) की कीमतें कम होने वाली हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्राकृतिक गैस के मूल्य निर्धारण के फॉर्मूले में संशोधन को हरी झंडी दिखा दी है। सीएनजी की कीमतों में 10 फीसदी तक की कटौती होगी। वर्तमान में दिल्ली में एक किलो सीएनजी 79.56 रुपए है, जो 10 रुपए घटने के बाद लगभग 73.59 रुपए हो जाएगी। मुंबई में प्रति किलो की दर 87 रुपए से घटकर 79 रुपए हो जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक साल में अगस्त 2022 तक सीएनजी की दरों में 80 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की बढ़ती कीमतें हैं। इसलिए सीएनजी की कीमतों में कमी ऐसे ग्राहकों के लिए एक बड़ी राहत होगी। सरकार का यह कदम कंपनी-फिटेड सीएनजी तकनीक की पेशकश करने वाले चुनिंदा कार निर्माताओं के लिए काफी मददगार साबित होगा।

अभी नहीं बढ़ाए जाएंगे अमूल दूध के दाम: जीसीएमएमएफ

नई दिल्ली । अमूल दूध की कीमतें बढ़ने की आशंका के बीच गुजरात कॉपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने कहा` कि अभी अमूल दूध की कीमत बढ़ाने की योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि एक साल में लागत मूल्य 15 फीसदी बढ़ गया है जिससे संघ को पिछले साल खुदरा मूल्य में कुछ बढ़ोत्तरी करनी पड़ी थी। मेहता ने कहा कि जीसीएमएमएफ ने कोविड महामारी के कारण 2020 और 2021 में कीमतें नहीं बढ़ाई थीं लेकिन पिछले साल कुछ मौकों पर कीमतें बढ़ाई गईं। उन्होंने कहा कि जीसीएमएमएफ खुदरा कीमतों का लगभग 80 फीसदी दुग्ध उत्पादक किसानों को देता है। दूध की बढ़ती मांग के बीच कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए राजस्व में 20 फीसदी वृद्धि के साथ इसके 66 हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान लगाया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 में 55,055 करोड़ रुपए का कारोबार किया जो एक साल पहले की तुलना में 18.5 फीसदी अधिक है। जीसीएमएमएफ ने कहा कि कोविड काल के बाद डेयरी उत्पादों की मांग काफी बढ़ गई थी, जिससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी के राजस्व में एक मजबूत वृद्धि देखी। उन्होंने कहा` कि उम्मीद है कि सभी उत्पादों की बिक्री इसी रफ्तार से चलती रहेगी। मांग अब असंगठित क्षेत्र से संगठित कंपनियों की तरफ जा रही है।

रिलायंस, अदाणी, जिंदल पावर सहित 49 कंपनियों ने फ्यूचर रिटेल में दिखाई दिलचस्पी

मुंबई ।

रिलायंस रिटेल, जिंदल पावर लिमिटेड और अदाणी समूह सहित 49 कंपनियों ने फ्यूचर रिटेल की परिसंपत्तियों को खरीदने में दिलचस्पी दिखाकर अभिरुचि पत्र (ईओआई) सौंपा है। कर्ज में डूबी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) इनदिनों दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड, आरआईएल के खुदरा परिचालन (रिटेल ऑपरेशन्स) के लिए होल्डिंग कंपनी है। दूसरी ओर अप्रैल मून रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स और फ्लेमिंगो समूह का एक संयुक्त उद्यम है। इन दोनों कंपनियों ने अपना ईओआई पेश किया है। फ्यूचर रिटेल के कर्जदाताओं ने एफआरएल की परिसंपत्तियों को समूहों में विभाजित करने के बाद नई बोली आमंत्रित करने का फैसला किया है। एफआरएल के समाधान पेशेवर ने बताया कि दिलचस्पी दिखाने वाले 49 प्रतिभागियों को 'दूसरे विकल्प के तहत किसी भी/सभी इसतरह के समूहों के लिए

समाधान योजना' जमा करने की अनुमति होगी। अभिरुचि पत्र जमा करने वाली कुछ अन्य कंपनियों में सेंचुरी कॉपर कॉर्प, ग्रीनटेक वर्ल्डवाइड, हर्षवर्धन रेड्डी, जे सी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, पिनेकल एयर प्राइवेट लिमिटेड, यूनिवर्सल एसोसिएट्स और डब्ल्यूएचस्मिथ ट्रैवल लिमिटेड शामिल हैं।

टाटा की इस कंपनी के शेयर हुए हवाहवाई

मुंबई । टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेलिसर्विसेज महाराष्ट्र लिमिटेड (टीटीएमएल) ने जबर्दस्त वापसी की है। टीटीएमएल के शेयर सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में 5 प्रतिशत के अपर सर्किट के साथ 67.43 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 दिन में टाटा टेलिसर्विसेज के शेयरों में 20 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। टाटा टेलिसर्विसेज महाराष्ट्र के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 210 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 49.80 रुपये है। टीटीएमएल के शेयर 31 मार्च 2023 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 55.49 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 10 अप्रैल 2023 को बीएसई में 67.43 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन में कंपनी के शेयरों में 20 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। वहीं, 28 मार्च 2023 के बाद से टीटीएमएल के शेयरों में 30 प्रतिशत के करीब उछाल आया है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 12395 करोड़ रुपये है। टाटा टेलिसर्विसेज महाराष्ट्र लिमिटेड के शेयरों ने पिछले 3 साल में करीब 3015 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। टाटा ग्रुप की कंपनी के शेयर 9 अप्रैल 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 2.03 रुपये के स्तर पर थे। टाटा टेलिसर्विसेज महाराष्ट्र के शेयर 10 अप्रैल 2023 को बीएसई में 67.43 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं।

तमिलनाडु की तीन लिग्नाइट खदानें वाणिज्यिक नीलामी से बाहर: कोयला मंत्री

नई दिल्ली ।

सरकार ने पिछले महीने शुरू हुई सातवीं वाणिज्यिक नीलामी से लिग्नाइट (भूरा कोयला) की तीन खदानों को बाहर कर दिया है। कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि तमिलनाडु में स्थित ईस्ट ऑफ सेठियाथोप, माइकलपट्टी और वडासेरी खदानों को सातवें दौर की कोयला खदान नीलामी से बाहर रखा गया है। देश में कोयले की मौजूदगी बढ़ाने के लिए गत 29 मार्च को कोयला खदानों की नीलामी का सातवां चरण शुरू किया गया था। लिग्नाइट समेत कोयले की 106 खदानों की नीलामी इस दौर में होनी है। इनमें से 61 खदानों का आंशिक रूप से जबकि 45 खदानों का पूर्ण रूप से उत्खनन हो चुका है। हालांकि तमिलनाडु की इन तीन खदानों को नीलामी से बाहर किए जाने के बाद अब कुल 103 खदानों के लिए ही बोलियां लगाई जाएंगी। जोशी ने कहा कि तमिलनाडु के भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष के अन्नामलाई ने उनसे तीनों खदानों को नीलामी से बाहर रखने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना और तमिलनाडु के लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए मैंने इन खदानों को नीलामी से बाहर करने का निर्देश दिया है। कोयला मंत्रालय को इस संबंध में जरूरी कदम उठाने के लिए निर्देश दे दिए गए हैं। अन्नामलाई ने उनसे अनुरोध किया था कि ये लिग्नाइट ब्लॉक संरक्षित कृषि क्षेत्र में आते हैं। इस क्षेत्र के किसानों ने वहां से निकलने वाली मीथेन गैस के कारण इसका विरोध किया था क्योंकि इससे भूतल के पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बाजार में ये बढ़त लिवाली (खरीददरी) से आई है। कंपनियों के तिमाही परिणामों से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से हालांकि इस तेजी पर अंकुल लगा रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 13.54 अंक करीब 0.02 फीसदी बढ़कर 59,846.51 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक ये 276.14 अंक तक ऊपर आया। वहीं पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 24.90 अंक तकरीबन 0.14 फीसद उछलकर 17,624.05 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा पांच फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा विप्रो, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी ऊपर आये हैं। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर नीचे ओ हैं। इससे पहले आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से हासिल मिश्रित संकेतों के बीच शेयर बाजार की शुरुआत अच्छी रही। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहे जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरा है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड 0.06 फीसदी बढ़कर 85.19 डॉलर प्रति बैरल रहा। बाजार जानकारों के अनुसार वाहन तथा रियल एस्टेट कंपनियों की तिमाही कारोबारी गतिविधियां सकारात्मक रहने से इन क्षेत्रों में तेजी दर्ज की गयी। अमेरिका में रोजगार के आंकड़े बेहतर रहने की रिपोर्ट से भी बाजार धारणा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। इससे यह आशंका है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दर ओर बढ़ा सकता है। ब्योरे जारी होने वाला है। ये बाजार धारणा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। इससे पहले बाजार शुक्रवार को गुड फ्राइडे के कारण बाजार बंद था।

अडाणी पावर के गोड्डा संयंत्र से बांग्लादेश को बिजली भेजना शुरू

नई दिल्ली ।

अडाणी पावर ने कहा कि उसने झारखंड के गोड्डा स्थित अपने बिजली उत्पादन संयंत्र से बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति करनी शुरू कर दी है। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) ने एक बयान में कहा कि झारखंड के गोड्डा में 800 मेगावाट क्षमता की पहली ताप-विद्युत इकाई से उत्पादन शुरू हो गया है। इस संयंत्र से पैदा होने वाली 748 मेगावाट बिजली कंपनी समझौते के अनुरूप बांग्लादेश को भेजी जा रही है। कंपनी ने कहा कि गोड्डा संयंत्र से बिजली आपूर्ति बांग्लादेश को किए जाने से पड़ोसी देश में बिजली की स्थिति सुधरेगी क्योंकि इससे वहां खरीदी जाने वाली बिजली की औसत लागत में कमी आएगी। अडाणी पावर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि गोड्डा बिजली संयंत्र भारत और बांग्लादेश के दीर्घकालिक संबंधों में एक रणनीतिक स्थान रखता है। नवंबर 2017 में अडाणी पावर की अनुषंगी इकाई अडाणी पावर

झारखंड लिमिटेड के साथ बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड ने 1,496 मेगावाट बिजली की खरीद का समझौता किया था। इस समझौते के तहत गोड्डा में 800-800 मेगावाट क्षमता की दो परियोजनाएं स्थापित की जानी थीं। अडाणी पावर ने कहा कि गोड्डा संयंत्र की पहली इकाई ने उत्पादन शुरू होने के पहले दिन से ही पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर दिया है। यह देश में इस तरह का पहला बिजली संयंत्र है। कंपनी ने कहा कि इस संयंत्र की 800 मेगावाट क्षमता वाली दूसरी इकाई के भी जल्द उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है।

पान मसाला और तम्बाकू उत्पादों पर लगेगा जीएसटी उपकर

नई दिल्ली। सरकार ने पान मसाला एवं तंबाकू उत्पाद विनिर्माताओं पर एक अप्रैल से प्रभावी खुदरा बिक्री मूल्य पर आधारित जीएसटी उपकर को निर्धारित कर दिया है।

पान मसाला एवं तंबाकू उत्पादों पर पहले 28 प्रतिशत की दर से लगने वाले माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अलावा उस पर मूल्य के अनुपात में उपकर लगता था लेकिन अब इस व्यवस्था में बदलाव कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, जीएसटी उपकर के तौर पर पान मसाला पाउच के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) का 0.32 गुना वसूला जाएगा। तंबाकू गुटखा वाले पान मसाला पर जीएसटी उपकर आरएसपी का 0.61 गुना लगेगा जबकि सिगरेट एवं पाइप वाली तंबाकू सामग्री के लिए यह दर 0.69 गुना है। तंबाकू चबाना, फिल्टर वाली खैनी और जर्दा पर आरएसपी का 0.56 गुना उपकर लगेगा जबकि हुक्का एवं ब्रांडेड कच्चे तंबाकू के लिए यह दर 0.36 गुना है। खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर जीएसटी उपकर लगाने से तंबाकू विनिर्माताओं को अब पान मसाला एवं तंबाकू उत्पादों के कारखाने से बाहर निकलते समय अंतिम खुदरा मूल्य पर उपकर चुकाना होगा।

सार्वजनिक बैंकों का मुनाफा एक लाख करोड़ पहुंचने की उम्मीद

मुंबई ।

मार्च तिमाही में बैंकों का प्रदर्शन अच्छा रहने के साथ ही समाप्त वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का मुनाफा रिकॉर्ड एक लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। फंसे कर्ज की संख्या कम होने और स्वस्थ ऋण वृद्धि से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का प्रदर्शन नई ऊंचाई पर जा सकता है। एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी का मानना है कि देश का सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में 40,000 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ अर्जित कर सकता है। वित्त वर्ष 2022-23 के पहले नौ महीनों में एसबीआई ने कुल 33,538 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था जो एक साल पहले की समान अवधि के 31,675.98 करोड़ रुपए से अधिक है। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों के भी गैर-निष्पादित संपत्तियों (एनपीए) में गिरावट, दोहरे अंक में ऋण वृद्धि और बढ़ती ब्याज दर के दम पर बढ़िया नतीजा हासिल करने की संभावना है। वित्त वर्ष 2022-23 के पहले नौ महीनों में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी 12 बैंकों ने 70,166 करोड़ रुपए का कुल लाभ अर्जित किया था जो एक साल पहले की समान अवधि के 48,983 करोड़ रुपए की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को छोड़कर

सार्वजनिक क्षेत्र के बाकी सभी बैंकों ने दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में वृद्धि दर्ज की थी। फंसे कर्जों के लिए अधिक प्रावधान करने से अक्टूबर-दिसंबर, 2022 तिमाही में पीएनबी का मुनाफा 44 प्रतिशत घटकर 628 करोड़ रुपए रह गया। इस दौरान एसबीआई ने 68 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14,205 करोड़ रुपए का सर्वाधिक मुनाफा दर्ज किया।

सरकार 16वें वित्त आयोग के गठन की तैयारी में जुटी

नई दिल्ली ।

सरकार केंद्र एवं राज्यों के बीच करों के बंटवारे के अनुपात पर सिफारिशों के लिए इस साल 16वें वित्त आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। एक अधिकारी ने कहा कि एक अप्रैल, 2026 से अगले पांच साल तक की अवधि में करों के बंटवारे से जुड़े प्रावधान तय करने के लिए 16वें वित्त आयोग का गठन करने की कवायद शुरू हो चुकी है। इस आयोग के सदस्यों एवं उसके क्रियाकलाप के प्रावधानों को तय करने का काम चल रहा है। वित्त आयोग एक संवैधानिक संस्था है जो केंद्र एवं राज्यों के वित्तीय संबंधों के बारे में अनुशंसा करती है। इसकी कर विभाजन संबंधी सिफारिशें पांच साल की अवधि के लिए लागू रहती हैं। पिछले वित्त आयोग ने नौ नवंबर, 2020 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। उसकी सिफारिशें वित्त वर्ष 2021-22 से लेकर 2025-26 तक की अवधि के लिए हैं। पूर्व नौकरशाह एनके सिंह की अध्यक्षता वाले 15वें वित्त आयोग ने कर अंतरण अनुपात को 42 प्रतिशत पर रखने की बात कही थी। केंद्र सरकार ने इस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था और निर्धारित अवधि में वह राज्य सरकारों को अपने विभाज्य कर पूल से 42 प्रतिशत हिस्सा दे रही है। पिछले वित्त आयोग ने राजकोषीय घाटे पर प्रतबिंध लगाने, केंद्र एवं राज्यों के कर्ज की स्थिति और अतिरिक्त उधारियों के बारे में सिफारिशें दी थीं। इसकी अनुशंसा के अनुरूप सरकार ने राजकोषीय घाटे को वर्ष 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा है।

मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदेगी टेमासेक

मुंबई ।

सिंगापुर की निवेश कंपनी टेमासेक बेंगलुरु की मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में 16,300 करोड़ रुपये (दो अरब डॉलर) में 41 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इससे टेमासेक के पास मणिपाल हेल्थ की 59 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज देश की सबसे बड़ी अस्पताल श्रृंखलाओं में से है। दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में कहा कि टेमासेक यह हिस्सेदारी निजी इक्विटी कंपनी टीपीजी और मणिपाल के संस्थापक रंजन पई के परिवार से खरीदेगी।

संयुक्त बयान में सौदे के वित्तीय पक्ष का खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि टेमासेक यह हिस्सेदारी 16,300 करोड़ से अधिक के सौदे में खरीदेगी। इस लिहाज से मणिपाल हेल्थ का मूल्यांकन करीब 40,000 करोड़ रुपये बैठता है। इस तरह यह भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का सबसे बड़ा सौदा होगा। यह सौदा पूरा होने के बाद टेमासेक की मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में हिस्सेदारी बढ़कर 59 प्रतिशत हो जाएगी। उसके पास पहले ही मणिपाल हेल्थ की 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

इस सौदे के बाद मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज से टीपीजी पूरी तरह बाहर निकल जाएगी। वहीं पई परिवार की हिस्सेदारी 50 से घटकर 30 प्रतिशत रहेगी। भारत का सॉवरेन संपदा कोष और राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) भी टेमासेक को अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। मणिपाल देश के 16 शहरों में 29 अस्पतालों की श्रृंखला का परिचालन करती है। इन अस्पतालों में बिस्तरों (बेड) की संख्या 8,300 है।

अडानी के अडानी इंटरप्राइजेस सहित सभी शेयरों में तेजी

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में सोमवार को तेजी बरकरार है। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन अदाणी ग्रुप के सभी शेयरों में शुरुआत में तेज उछाल देखा गया। सुबह के कारोबार में अदाणी ग्रुप के स्टॉक्स हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे। अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी टोटल गैस के शेयरों में करीब 5 फीसदी की बढ़त देखी गई। अदाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज 21.50 अंक की तेजी के साथ 1,775.55 रुपए पर कारोबार कर रहे थे, जबकि अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर 42.80 अंक की जबरदस्त तेजी के साथ 899.15 के लेवल पर पहुंचकर कारोबार कर रहे हैं। वहीं अदाणी ट्रांसमिशन 5.00 फीसदी की तेजी के साथ 1,000.85 पर, अदाणी टोटल गैस 4.94 फीसदी की तेजी के साथ 905.65 पर, अदाणी विल्मर 1.08 फीसदी की तेजी के साथ 413.60 पर, अदाणी पोर्ट्स

1.00 फीसदी की तेजी के साथ 648.00 पर, अदाणी पावर 1.04 फीसदी की तेजी के साथ 194.20 पर, एसीसी 0.56 फीसदी तेजी के साथ 1,721.65 पर, अंबुजा सीमेंट 0.38 फीसदी की तेजी के साथ 385.05 पर, एनडीटीवी 1.13 फीसदी की तेजी के साथ 196.60 रुपए पर कारोबार कर रहे थे।

घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियन्स पर जीत के इरादे से उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेजबान दिल्ली कैपिटल्स की टीम मंगलवार को यहां मुंबई इंडियन्स पर जीत के साथ अपना खाता खोलना चाहेगी। अब तक हुए तीनों ही मैचों में दिल्ली को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं मुम्बई को भी अपने शुरुआती दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। दोनो ही टीमें अंक तालिका में काफी नीचे बनी हुई हैं। ऐसे में दोनो ही टीमों के लिए ये मैच बेहद अहम माना जा रहा है। कैपिटल्स की टीम अपने घरेलू मैदान में खेलेगी जिसका उसे इस मैच में लाभ मिल सकता है।

डेविड वार्नर की कप्तानी में खेल रही दिल्ली ने अब तक अपनी टीम में कई बदलाव किये हैं पर इसके बाद भी वह लय हासिल नहीं कर पायी है। कप्तान वार्नर भी नाम के अनुसार नहीं खेल पाये हैं उनकी बल्लेबाजी में आक्रमकता की कमी दिखी है। टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज के रुप में अब तक सरफराज खान और इशान पोरेल को अवसर दिया है पर उसका भी लाभ नहीं हुआ है। सरफराज की बल्लेबाजी धीमी रही है। वहीं पोरेल के पास अनुभव की कमी है पर बल्लेबाजी में वह तेजी से रन बनाते हैं।

दिल्ली को अपने पहले ही मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स जबकि दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस और फथ्र राजस्थान रायल्स से 57 रनों की हार झेलनी पड़ी है। वार्नर ने अब तक 158 रन बनाये हैं पर उनका स्ट्राइक रेट केवल 117 रन रहा है। वहीं उनके सलामी जोड़ीदार पृथ्वी शॉ ने तीन मैच में केवल 19 रन ही बनाये हैं।

टीम के पास मध्य क्रम में मिशेल मार्श, रोवमैन पावेल, रिली रोसेयु, मनीष पांडे जैसे बल्लेबाज है पर कोई भी सफल नहीं हुआ है। अब टीम इसने बड़ी पारी चाहेगी। टीम के पास विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में फिल सॉल्ट हैं पर इसके लिए उसे एक अन्य विदेशी खिलाड़ी को अंतिम एकादश से बाहर करना होगा। टीम की गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही है। खलील अहमद, मुकेश कुमार, चेतन सकारिया, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल अब तक प्रभावी नहीं दिखे। छोड़ने में नाकाम रहे। विदेशी गेंदबाजी गेंदबाज एनरिक नोर्किया भी प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में टीम दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी और बांग्लादेश के मुस्ताफिजुर रहमान में से कियी एक को इस मैच में शामिल कर सकती है पर इसके लिए किसी एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना होगा।

वहीं दूसरी ओर पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियस का भी अभियान हार से शुरु हुआ है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। कप्तान रोहित भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं। टीम को पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने जबकि दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स ने सात विकेट से हराया। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाजों दोनों ही विफल रहे हैं। बल्लेबाजी क्रम में रोहित के अलावा ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, कैमरन ग्रीन, टिम डेविड और तिलक वर्मा जैसे जैसे खिलाड़ी पर केवल तिलक ही प्रभावित कर पाये हैं। तिलक ने अब तक दो अर्धशतक लगाये हैं। आरसीबी के खिलाफ तिलक ने नाबाद 84 रन भी बनाये थे।

जहां तक गेंदबाजी की बात है जोफ्रा आर्चर के लय में नहीं होने से तेज गेंदबाजी कमजोर हुई है। जेसन बेहरेनडोर्फ, ग्रीन, आर्चर और अरशद खान अब तक असरकारी नहीं दिखे हैं। स्पिनरों की बात करें तो पीयूष चावला, ऋतिक शौकीन और कुमार कार्तिकेय को भी विकेट हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। मुंबई को अगर जीत हासिल करनी है तो रोहित और ईशान को अच्छी शुरुआत करनी होगी। इसके अलावा सूर्यकुमार और ग्रीन को भी रन बनाने होंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्सः डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी साव, मिशेल मार्श, सरफराज खान, अमन हाकिम खान, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिली रोसेयु, एनरिक नोर्किया, मुस्ताफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, इशांत शर्मा, मनीष पांडे, कमलेश नागरकोटी और यश धुल।

मुंबई इंडियन्सः रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस, तिलक वर्मा, इशान किशन, ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरून ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ, नेहाल वढेरा, ऋतिक शोकीन, अर्शद खान, डुआन जेनसन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफ्रा आर्चर, जेसन बेहरेनडोर्फ और आकाश मढवाल।

भारत ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में तीन पदक जीते

अस्ताना (एजेंसी)। युवा पहलवान रुपिन ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में रविवार को यहां ग्रीको रोमन के 55 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता जो सीनियर स्तर पर उनका पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है। उन्नीस वर्षीय रुपिन ने जहां रजत पदक हासिल किया वहीं नीरज ने ग्रीको रोमन के 63 किग्रा में जबकि सुनील कुमार ने 87 किग्रा में कांस्य पदक जीते। रुपिन ने क्वालिफिकेशन से लेकर फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया लेकिन खिताबी मुकाबले में वह ईरान के पोया सोलत दाद मर्ज से 1-3 से हार गए।

ला लीगा फुटबॉल में एटलेटिको ने वालेकानो को हराकर पांचवां मुकाबला जीता

मैड्रिड। स्पेनिश लीग ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में एटलेटिको मैड्रिड ने रायो वालेकानो क्लब को 2-1 से हराकर लगातार पांचवां मुकाबला जीता है। इस जीत के साथ ही एटलेटिको दूसरे स्थान पर चल रहे रीयाल मैड्रिड कलब के और करीब आ गयी है और उससे केवल दो अंक ही दूर है। इस मैच में एटलेटिको की ओर से पहले हाफ में नेहुएल मोलिना और मारिये हरमोसो ने दो मिनट के अंदर दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। यह एटलेटिको की 11 मैच में नौवीं जीत है। इस मैच में वालेकानो को अधिकतर समय दस खिलाड़ियों से खेलना पड़ा क्योंकि उसके एक खिलाड़ी फ्लोरियन लेजेयुन को लाल कार्ड मिलने के कारण बाहर जाना पड़ा था। वहीं इससे पहले एक अन्य मैच में विलारीयाल ने रीयाल मैड्रिड को 3-2 से हरा दिया था। लीग में अभी भी बार्सीलोना क्लब सबसे ऊपर बना हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया को विश्वकप में जीत दिला सकते हैं ये दो स्पिन : पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार भारत में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और लेग स्पिनर एडम जाम्पा जीत दिला सकते हैं। पोंटिंग के अनुसार आगामी 2023 एकदिवसीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की सफलता के लिए ये दोनो ही खिलाड़ी अहम होंगे और ऐसे में इन दोनो को टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्टार्क ने हाल ही में भारत में हुई एकदिवसीय सीरीज में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। स्टार्क ने इस दौरान आठ विकेट लिए थे। उनकी गेंदबाजी को खेलने में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम भी विफल रहा था। पोंटिंग ने कहा, यह मिचेल स्टार्क 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करता है, वह बाएं हाथ का गेंदबाज है और वह नई गेंद को वापस स्विंग कराता है, जिससे खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं रहता। सफेद गेंद वाले क्रिकेट में वह विशेष रुप से प्रभावी रहा है। वहीं स्पिनर एडम जम्पा तीन एकदिवसीय मैचों में गेंद के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बेहतर रहे हैं। उन्होंने चार विकेट लिए और केवल 4.88 रन प्रति ओवर दिए उनकी गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आये थे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की होने लगी तैयारी, राहुल द्रविड़ एनसीए में कोचिंग सदस्यों के साथ करेंगे बैठक

अहमदाबाद (एजेंसी)। नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के शीर्ष सितारे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त हैं लेकिन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और उनकी टीम जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारियों के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में जुटेगी। भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह पक्की की है। लंदन के द ओवल में सात से 11 जून तक खेले जाने वाले फाइनल में भारत के सामने ऑस्ट्रेलिया की चुनौती होगी।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और विदेशी सरजमीं पर भारत की कुछ यादगार जीत के नायक रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत जैसे सितारों की चोट ने टीम की परेशानी बढ़ा दी है। टीम को डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले इन खिलाड़ियों का विकल्प ढूंढना होगा। इस साल के आखिर में होने वाले एकदिवसीय विश्व को देखते हुए खिलाड़ियों के कार्यभार प्रबंधन पर भी ध्यान देना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया, ''द्रविड़ बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे, क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप और अन्य सहयोगी स्टाफ के साथ वीवीएस लक्ष्मण की अध्यक्षता वाली एनसीए टीम से मुलाकात करेंगे, जिसमें राष्ट्रीय टीम से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।''

एनसीए प्रमुख के तौर पर लक्ष्मण बीसीसीआई के अनुबंधित चोटिल खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के साथ 'लक्षित' खिलाड़ियों (भारत, भारत ए) की प्रगति पर नज़र रखने के लिए भी जिम्मेदार हैं। वह इसके साथ ही उभरते हुए खिलाड़ियों (19 से 23 वर्ष के बीच) के प्रदर्शन पर भी नजर रखते हैं। इस बात की संभावना है कि द्रविड़ और लक्ष्मण दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ कार्यभार प्रबंधन और फाइनल की तैयारी के संबंध में योजनाओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इस दौरान एनसीए में खेल विज्ञान के प्रमुख नितिन पटेल से खिलाड़ियों के बार-बार चोटिल होने को लेकर कड़े सवालों का सामना करना पड़ सकता है।

आईपीएल में विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ सकता है युवा खिलाड़ी, रवि शास्त्री ने की भविष्यवाणी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक सत्र में सर्वाधिक 973 रन बनाने के विराट कोहली के रिकॉर्ड को गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल तोड़ सकते हैं। आईपीएल के 2016 के सत्र में भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के तत्कालीन कप्तान कोहली ने 81.08 के औसत और 152 के स्ट्राइक रेट से 973 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने चार शतक और सात अर्धशतक लगाए थे। शास्त्री ने सवाल जवाब से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि गिल में कोहली से आगे निकलने की क्षमता है तथा सलामी बल्लेबाज होने के कारण उन्हें रन बनाने के अतिरिक्त मौके मिलते हैं। उन्होंने कहा, '' वह (गिल) सलामी बल्लेबाज है और इस कारण उसे रन बनाने के अधिक अवसर मिलेंगे। मेरा मानना है कि वह शुभमन गिल होगा क्योंकि वह बहुत अच्छी फॉर्म में है और इसके अलावा शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करता है। इसलिए उसे रन बनाने के अधिक मौके मिलेंगे।'' शास्त्री ने कहा,'' पिच अच्छी हैं और इसलिए यदि वह दो-तीन पारियों में 80 से लेकर 100 रन तक बनाता है तो तब तक उसके नाम पर 300 से 400 रन दर्ज होंगे।'' उन्होंने कहा,'' मेरे हिसाब से रिकॉर्ड तोड़ना बहुत मुश्किल है क्योंकि 900 रन बहुत बड़ी संख्या है लेकिन एक बात है कि सलामी बल्लेबाज को दो अतिरिक्त मैच और दो अतिरिक्त पारियां मिलेंगी, इसलिए यदि संभव हुआ तो केवल सलामी बल्लेबाज ही इस रिकॉर्ड को तोड़ सकता है।'' कोहली के बाद आईपीएल के एक सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में जोस बटलर (863 रन) और डेविड वॉर्नर (848 रन) शामिल हैं।

28 जून से दलीप ट्रॉफी से शुरु होगा घरेलू सत्र

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2023-24 का घरेलू सत्र 28 जून से होने की घोषणा की है। यह सत्र दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट से शुरु होगा। वहीं रणजी ट्रॉफी के मुकाबले अगले साल पांच जनवरी से खेले जाएंगी।

दलीप ट्रॉफी छह क्षेत्रीय टीमों के बीच खेली जाएगी। इसके बाद देवधर ट्रॉफी लिस्ट ए टूर्नामेंट 24 जुलाई से तीन अगस्त तक होगा। ईरानी कप एक से पांच अक्टूबर जबकि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी पुरुषों की टी20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप 16 अक्टूबर से छह नवंबर और विजय हजारे एकदिवसीय ट्रॉफी 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी।

वहीं पुरुषों के सीनियर वर्ग में रणजी ट्रॉफी सत्र का अंतिम टूर्नामेंट रहेगा। इसके एलीट ग्रुप के लीग चरण के मैच पांच जनवरी से 19 फरवरी के बीच होगे जबकि नॉकआउट चरण का आयोजन 23 फरवरी से 14 मार्च तक खेला जाएगा। प्लेट ग्रुप के लीग मैच पांच जनवरी से पांच फरवरी के बीच जबकि नॉकआउट चरण नौ से 22 फरवरी तक होगा। एलीट वर्ग में चार ग्रुप में आठ-आठ टीमें रहेगी और हर ग्रुप की शीर्ष की दो-दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

वहीं प्लेट ग्रुप में छह में से शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए जाएंगी। प्लेट ग्रुप के फाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमें आगामी सत्र 2024-25 में एलीट ग्रुप में शामिल होंगी। एलीट ग्रुप की 32 टीमों की समग्र तालिका में अंतिम दो स्थान पर रहने वाली टीमें प्लेट ग्रुप में फिसल जायेंगी। इसके अलावा सीनियर महिला सत्र की शुरुआत राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप के साथ होगी। इसके मैच 19 अक्टूबर से नौ नवंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद अंतर क्षेत्रीय टी20 ट्रॉफी 24 नवंबर से चार दिसंबर तक होगी सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी और एकदिवसीय ट्रॉफी में पांच ग्रुप होंगे। इसमें दो ग्रुप में आठ-आठ टीमें जबकि बाकी के तीन ग्रुप में सात-सात टीमें होगी। हर ग्रुप की शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमें नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेंगी।

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना प्रतियोगिता जीती

बर्लिन। किशोर भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने फाइनल में पूर्व विश्व रेपिड चैंपियन उज्बेकिस्तान के नादिरबेक अब्दुसतारोव को हराकर रविवार को यहां विश्व शतरंज आर्मेगेडोन एशिया एवं ओसियाना प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। सोलह साल के गुकेश ने उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में जीत दर्ज की। पहली बाजी में चूकने के बाद गुकेश को दूसरी बाजी में हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने 'अतिरिक्त मौके' का इस्तेमाल करते हुए अब्दुसतारोव के खिलाफ मुकाबले को दोबारा शुरू कराया। 'नए' मुकाबले की पहली बाजी ड्रॉ रही लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर अगली बाजी जीतकर चैंपियन बना। गुकेश और अब्दुसतारोव दोनों को सितंबर में होने वाले आर्मेगेडोन ग्रैंड फिनाले में जगह मिली। इस टूर्नामेंट में गुकेश और अब्दुसतारोव के अलावा पूर्व विश्व क्लासिकल चैंपियन व्लादिमीर क्रैमनिक, डेनिल डुबोव, चीन के यांगयी यू, भारत के विदित गुजराती और कार्तिकेयन मुरली तथा ईरान के परम माघसोदलो जैसे खिलाड़ी हिस्सा ले रहे थे। गुकेश ने जीत के बाद ट्वीट किया, ''विश्व शतरंज की आर्मेगेडोन चैंपियनशिप सीरीज 2023 का रोमांचक एशिया ओसियाना ग्रुप जीतने की खुशी है।'' पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने इस युवा ग्रैंडमास्टर की उपलब्धि की सराहना की। आनंद ने ट्वीट किया, ''डी गुकेश को बधाई। शानदार उपलब्धि विशेषकर अलग तरह के समय नियंत्रण को देखते हुए। गर्व है कि वाकाचेस के हमारे शिष्य ने हमें एक बार फिर गौरवांवित किया।'' टूर्नामेंट के प्रत्येक दिन मैच में दो ब्लिट्ज बाजियां खेली जाती थी और अगर जरूरत पड़ी तो आर्मेगेडोन बाजी (सफेद मोहरों के लिए पांच मिनट, काले मोहरों के लिए चार मिनट) खेली जाती थी। आर्मेगेडोन बाजी ब्लिट्ज बाजी का एक प्रकार है जो मुकाबले के ड्रॉ होने पर खेला जाता है। आर्मेगेडोन बाजी ड्रॉ होने पर काले मोहरो से खेलने वाले को विजेता घोषित किया जाता है।

विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के लिए 17 अप्रैल को उज्बेकिस्तान रवाना होंगे थापा सहित सभी मुक्केबाज

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज शिव थापा और दीपक भोरिया 30 अप्रैल से 14 मई तक उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के लिए भारतीय दल के साथ 17 अप्रैल को रवाना होंगे। शिवा ने दोहा में 2015 में विश्व चैम्पियनशिप का कांस्य पदक जीता था। अब उनका लक्ष्य इस बार अपने पदक का रंग बदलना रहेगा। वह 63.5 किग्रा वजन वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वहीं दीपक 51 किग्रा फ्लाईवेट वजन वर्ग में उतरेंगे। दीपक ने 2021 में स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में 2016 रियो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और 2019 विश्व चैम्पियन उज्बेकिस्तान के शाखोबिदिन जोइरोव को हराकर सभी का ध्यान खींचा था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ''पुरुष टीम काफी कड़ी मेहनत कर रही है और मैं उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें देता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि हर मुक्केबाज बेहतर प्रदर्शन करेगा।''

भारतीय टीम 17 अप्रैल को ताशकंद के लिए रवाना होगी और विश्व चैम्पियनशिप से पहले कई देशों के अभ्यास शिविर में भी भाग लेगी। भारतीय टीम में अनुभवी एशियाई चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन भी शामिल हैं जो 57 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेंगे। तोक्यो ओलंपियन और 2019 एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता आशीष चौधरी दूसरी बार इस प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वहीं स्ट्रेंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट में रजत विजेता गोविंद साहनी 48 किग्रा में उतरेंगे। इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक विजेता को दो लाख डॉलर, रजत पदक जीतने वाले को एक लाख डॉलर और दोनों कांस्य पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर पुरस्कार राशि मिलेगी।

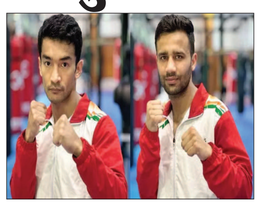

पांच छक्के जड़कर रिंकू सिंह ने रचा इतिहास, आईपीएल में बनें हैं ये रिकॉर्ड जिन्हें तोड़ना है काफी मुश्किल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेले गए मुकाबले में ककेआर के रिंकू सिंह का बल्ला मैदान में जमकर रनों की बरसात कर गया। गुजरात टाइटंस की टीम के हाथ से मैच खिसकाने में रिंकू सिंह की पूरी भूमिका रही। रिंकू सिंह ने अंतिम ओवर में धुआंदार खेल दिखाते हुए गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की नींद उड़ा दी और लगातार पांच छक्के लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। रिंकू सिंह की तूफानी पारी की चर्चा पूरे क्रिकेट जगत में हो रही है। रिंकू ने अंतिम ओवर में ऐसी पारी खेल कर दिखाई जो आईपीएल के 16 सीजन में अब तक नहीं खेली गई है। अंतिम ओवर में 29 रनों को सफलतापूर्व चेज कर टीम को जीत दिलाने में रिंकू सिंह का ही नाम है। उन्होंने अंतिम ओवर में पांच छक्के जड़कर नया रिकॉर्ड कायम कर लिया है। रिंकू ने 21 गेंदों में 1 चौके और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 48 रन बनाए। वहीं रिंकू के इस शानदार रिकॉर्ड को तोड़ना अब काफी मुश्किल लग रहा है।

- किसी बल्लेबाज द्वारा किसी पारी के अंतिम 20वें ओवर में लक्ष्य तक पहुँचने के दौरान सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड
- रनों का पीछा करते हुए 20वें ओवर में लगातार पांच छक्के जड़ने का रिकॉर्ड
- आखिरी ओवर में सबसे ज्यादा 31 रन बनाकर टारगेट पूरा करने का रिकॉर्ड
- रिंकू सिंह ने 7 गेंदों में 40 रन बनाए। यह आईपीएल इतिहास में किसी बल्लेबाज के नाम दर्ज रिकॉर्ड है।
- आखिरी ओवरों में रिंकू की तूफानी पारी आईपीएल इतिहास में दर्ज हो गई है

ऐसा था मुकाबला

गुजरात द्वारा दिए गए 205 रनों के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मैदान में उतरे केकेआर के वेंकटेश अय्यर ने 83 रनों की पारी खेलकर जीत की ओर कदम बढ़ाया। लेकिन, 17वें ओवर में राशिद खान ने विकेटों की हैट्रिक लेकर केकेआर को बड़ा झटका दिया। हालांकि, रिंकू की पारी ने आखिरी ओवर में केकेआर को ऐसी जीत दिलाई की ये आईपीएल के इतिहास में शामिल हो गया।

इटालियन ओपन 10 से 21 मई के बीच खेला जाएगा

रोम। इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में इस साल यह टूर्नामेंट 10 से 21 मई के बीच खेला जाएगा और इसमें कई शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। वहीं साल 2025 से इस टूर्नामेंट में महिला और पुरुष खिलाड़ियों को समान ईनामी राशि मिलेगी। साल 2025 से ही यह नियम लागू होगा। पिछले काफी समय में ईनामी राशि को बराबरी पर लाने की मांग होती रही है। कई बार महिला खिलाड़ियों ने कम राशि मिलने पर नाराजगी जतायी है। इगा स्वियातेक ने पिछले साल जब यह टूर्नामेंट जीता था तो उन्हें पुरुष वर्ग के विजेता खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से आधे से भी कम पुरस्कार राशि मिली थी। स्वियातेक को 332,260 यूरो (364,000 अमेरिकी डॉलर) का इनाम मिला, जबकि जोकोविच को 836,355 यूरो (916,000 अमेरिकी डॉलर) का भुगतान किया गया था। इतालवी टेनिस महासंघ के अध्यक्ष एंजेलो बिनघी ने कहा, ''इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जबकि हमने ऐसी प्रक्रिया शुरू की है जिससे आने वाले समय में महिला और पुरुष टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को समान पुरस्कार राशि मिलेगी।''

उधना जोन के अधिकारीयों के आर्शीवाद से फल-फुल रहे हैं बिल्डर ..? किया जा रहा हैं अवैध निर्माण

सूरत भूमि, सूरत। उधना होकर मार्जिंग सी.ओ.पी. जोन के अधिकारियों द्वारा अवैध निर्माण को इस तरह बढ़ावा दिया जा रहा है की बिल्डर बेखौफ और कॉमन प्लॉटों में धड़ल्ले से अवैध निर्माण कर रहा है। बार-बार शिकायत करने पर भी अधिकारि कुंभकरण की नींद में सोए हो ऐसा प्रतीत हो रहा है, क्योंकि पिछले कई महीनों बड़ोद गांव की सूर्य नगर सोसायटी में 9 वर्षो से बेधड़क ग्राउंड प्लस दो मंज़िला का बांधकाम मनपा के परमिशन बगैर किया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध करने पर हिटलर जैसा शासन करने वाला अधिकारी पूछता है की बांधकाम में तुम्हारा क्या? यानी किसी भी प्रकार का अवैध काम चलता हो तो उसमें किसी सामाजिक कार्यकर्ता की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह स्पष्ट और सिद्ध हो चुका है कि भारतीय जनता पार्टी के राज्य में पूर्ण रूप से अफसरशाही चल रही है। अधिकारियों को जमकर मिले माल तो कितना भी हो अवैध काम उसे वैद्य मान लिया जाता है। इसके बाद भी अंध भक्तों की भक्ति पर सवालिया निशान उठता है, क्योंकि वह इस सरकार को राजा हरिश्चंद्र की सरकार समझते हैं जबकि यह सरकार सर से लेकर पांव तक भ्रष्टाचार के आतंक में डूबी हुई है। यही नहीं इसके अलावा आशीर्वाद नजर में ग्राउन्ड प्लस दो मंज़िला नीचे शॉपिंग उपर रेजिडेंस को अवैध काम किया गया।

विदेश में डॉक्टर से शादी लालच देकर शिक्षिका से 17 लाख ऐंठने वाली नाइजीरियन गैंग गिरफ्तार

सूरत । शहर की एक शिक्षिका को लंदन के डॉक्टर से शादी कराने की लालच देकर नाइजीरियन गैंग ने रु. 1।.48 लाख रुपए ऐंठ लिए थे। ठगे जाने का अहसास होने पर शिक्षिका ने साइबर क्राइम में अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच के बाद पुलिस ने एक दंपत्ति समेत । आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत में रहनेवाली 37 वर्षीय शिक्षिका ने शादी के लिए अपना बायोडाटा शादी डॉट कॉम पर रखा था। गत 11 जनवरी को शिक्षिका के मोबाइल पर फोन आया, जिसमें एक शख्स ने अपनी पहचान प्रशांत पीटर के तौर पर दी और कहा कि वह तमिलनाडु के चेन्नई का मूल निवासी है और वर्तमान में लंदन डॉक्टरी कर रहा है। प्रशांत पीटर ने शिक्षिका से कहा कि वह उसके साथ शादी करना चाहता है। शिक्षिका भी प्रशांत की चिकनी चुपड़ी बातों में आ गई। कुछ दिन बाद शिक्षिका पर नताशा नामक युवती का फोन आया। नताशा ने बताया कि वह दिल्ली एयरपोर्ट पर एडमिन ऑफीस से बोल रही है। नताशा ने शिक्षिका से कहा कि प्रशांत पीटर, उसके पिता और बहन लंदन करंसी साथ लाए हैं। उसके लिए प्रशांत पीटर को रु. 17.48 लाख जमा करने होंगे। नताशा की बात सुनने के बाद शिक्षिका ने आरटीजीएस के जरिए तीन एकाउंट में रु. 17.48 लाख जमा करवा दिए। बाद में कोई रिप्लाय नहीं मिलने पर ठगे जाने का शिक्षिका को अहसास हुआ तो उसने साइबर क्राइम में अज्ञात शख्सों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में प्रीन्स चीनाचरम, शालिनी प्रीन्स चीनाचरम, पास्कल गौह्लावगुई, उबसिनाची केली अनागो, जोसुआ चीमा कालू, क्रिस्टियन एन्थनी मडुनेमे और मोहमद इरफान निसार को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत जी स्वामीनारायण सत्संग सेवा ट्रस्ट द्वारा गोपिन ग्राम में आयोजित 'नेचुरल फूड एक्सपो-2023' का उद्घाटन करेंगे

सूरत भूमि, सूरत ।

स्वामीनारायण सत्संग सेवा ट्रस्ट द्वारा 11 से 14 अप्रैल तक गोपीन गांव, मोटा वराछा, अब्रामा रोड में आयोजित 'नेचुरल फूड एक्सपो-2023' का उद्घाटन राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत 11 को शाम 6.30 बजे करेंगे. फूड एक्सपो में राज्य भर में जैविक खेती करने वाले 300 किसानों द्वारा कृषि उपज, जहरीले रसायनों से मुक्त प्राकृतिक तरीकों से उत्पादित अनाज को सीधे बेचा जाएगा। सूरत के लोगों को किसानों के प्राकृतिक उत्पाद उनके घर पर ही मिलें, जैविक किसानों को बेचने का मंच मिले और अन्य किसान भी जैविक खेती की ओर मुड़ें, इस उद्देश्य से चार दिवसीय फूड एक्सपो का आयोजन किया गया है।

2018 में अहमदाबाद में शुरू हुए प्राकृतिक खेती आंदोलन के परिणामस्वरूप आज राज्य के छोटे-बड़े किसानों ने जहरीली और रसायन मुक्त खेती को अपनाया है। सामान्य किसानों के साथ-साथ अग्रणी उद्योगपतियों से प्राकृतिक कृषि के जन आंदोलन में योगदान देने के लिए राज्यपाल की अपील के बाद जीली मीनाक्षी डायमंड के अध्यक्ष, व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता श्री धनजीभाई खवेलिया ने च्के तत्वावधान में पूरे गुजरात के 300 जैविक खेती करने वाले किसानों को आमंत्रित किया। स्वामीनारायण सत्संग सेवा ट्रस्ट' से सूरत में 'प्राकृतिक खाद्य प्रदर्शनी' 2023' की योजना बनाई गई है।

श्री धनजीभाई ने जैविक खेती के प्रसार को बढ़ाने के लिए लाठी तालुका के अपने गृहनगर अकाला गांव से तीन साल पहले जैविक खेती करने वाले किसानों की कृषि उपज की बिक्री शुरू की। इस अवसर पर प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता गोपिन समूह के श्री लवजीभाई बादशाह, गुजरात प्राकृतिक कृषि संयोजक प्रफुल्लभाई सेंजलिया, उद्योगपति रमेशभाई काकड़िया, किसान, शहरी लोग उपस्थित रहेंगे।

25000 का ईनामी मोस्टवान्टेड शार्पशूटर गिरफ्तार, मई 2022 में पुलिस कस्टडी से हुआ था फरार

वडोदरा । वडोदरा क्राइम ने रु. 25000 के ईनामी मोस्ट वांटेड शार्पशूटर अनिल उर्फ एन्थनी को उस समय धरदबोचा जब वह शहर में आ रहा था। अनिल मई 2022 को पुलिस कस्टडी से फरार हो गया था। अनिल के खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण समेत 41 जितने मामले राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज हैं। वडोदरा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज निनामा ने बताया कि अनिल उर्फ एन्थनी मई 2022 में पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। अनिल को छोटाउदेपुर में जाली नोट के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उस वक्त उसे उपचार के लिए वडोदरा के सयाजी अस्पताल में लाया गया तब वह फरार हो गया था। अनिल को पकड़ने के लिए वडोदरा पुलिस ने 5 टीमें बनाकर उसकी तलाश शुरू की। लेकिन लगातार लोकेशन बदलने की वजह से अनिल पुलिस के हाथ नहीं लगा। कभी दिल्ली, नोयडा, गुजरात, महाराष्ट्र इत्यादि राज्यों में अनिल घूमता रहा। इस बीच वडोदरा क्राइम ब्रांच सूचना मिली कि अनिल वडोदरा आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने अनिल को उस समय दबोच लिया जब वह हाईवे से वडोदरा में प्रवेश कर रहा था। पुलिस ने अनिल पर रु. 25000 के ईनाम की घोषणा की थी। अनिल उर्फ एन्थनी के खिलाफ कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वडोदरा के कुख्यात शराब माफिया मुकेश हरजाणी और आणंद के अल्पेश चाका की हत्या का मामला शामिल है। इसके अलावा राज्य के पंचमहल, दाहोद, भरुच, छोटाउदेपुर, जामनगर, वडोदरा ग्रामीण, खेडा और मोरबी जिले के विभिन्न पुलिस थानों में केस दर्ज हैं। जिसमें हत्या की कोशिश, अपहरण, फायरिंग, जाली नोट, मारपीट, आर्म्स एक्ट, पुलिस कस्टडी से फरारी, देशी-विदेशी शराब की तस्करी जैसे 41 मामले शामिल हैं। क्राइम ब्रांच ने जब अनिल को पकड़ा तब उसके पास से पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा उसकी बैग से एक लोडेड पिस्तोल समेत 2 कारतूस भी मिले।

पेप्सीको ने क्रोपिन के साथ गठबंधन में भारत के लिए क्रॉप इंटैलिजेंस मॉडल लॉन्च किया

पेप्सीको इंडिया ने अपने ब्रांड ''लेज़'' के माध्यम से फसल एवं खेत के लिए प्रेडिक्टिव इंटैलिजेंस मॉडल की घोषणा की, ताकि किसानों को यूज़र-फ्रेंडली मोबाईल ऐप्स पर फंक्शनल डैशबोर्ड्स द्वारा आलू की गुणवत्तापूर्ण फसल की पैदावार बढ़ाने में मदद मिल सके। कृषि क्षेत्र में उद्योग का प्रथम क्लाउड बनाने के लिए मशहूर ग्लोबल एग्रीटेक कंपनी, क्रोपिन के साथ गठबंधन में लॉन्च किया गया यह अभियान भारत के लिए पेप्सीको के 'प्रेसिज़न एग्रीकल्चर' मॉडल का हिस्सा है और इसे गुजरात एवं मध्य प्रदेश में डेमो फार्म्स में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चलाया जा रहा है। इस मॉडल के फायदों के बारे में अनुकूल जोशी, डायरेक्टर - एग्रो, पेप्सीको इंडिया ने कहा, ''दिल से एक कृषि कंपनी होने के नाते हम सस्टेनेबल, लचीले और समावेशी समाधान लाना चाहते हैं, जो किसानों की विभिन्न समस्याओं को हल करें और उन्हें अपनी आजीविकास में सुधार लाने में मदद करें। इस नए अभियान में क्रोपिन के साथ अपनी साझेदारी द्वारा हम यह समाधान भारत में पेप्सीको किसानों को देना और उन्हें फसल के स्वास्थ्य पर हाथों-हाथ नजर रखने में समर्थ बनाना चाहते हैं, ताकि वो सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता और सर्वाधिक पैदावार वाली फसल दे सकें।''

इस साझेदारी के बारे में कृष्ण कुमार, को-फाउंडर एवं सीईओ, क्रोपिन ने कहा, ''अपने ब्रांड 'लेज़' द्वारा पेप्सीको कृषि का आधुनिकीकरण करने और जमीनी स्तर पर इसके प्रभाव उत्पन्न करने के तरीकों में नेतृत्व कर रहा है। डिजिटल परिवर्तन की ओर उनके केंद्रण से एक तरफ व्यवसाय की वृद्धि में मदद मिलती है, तो दूसरी तरफ छोटे खेतधारक किसान सशक्त बनते हैं, सस्टेनेबिलिटी का विकास होता है, और वैश्विक कृषि में नए मानक स्थापित होते हैं। क्रोपिन के प्रमाणित प्लॉट-लेवल प्रेडिक्टिव इंटैलिजेंस समाधान का उपयोग कर पेप्सीको बिज़नेस के जोखिम को कम कर रहा है, और प्रभावशाली व्यवसायिक प्रबंधन के लिए फसल की पैदावार एवं स्वास्थ्य, पानी की कमी, कीट एवं बीमारी के प्रारंभिक संकेतों का पूर्वानुमान दे रहा है।''

जूनियर क्लर्क की परीक्षा देने घर से निकली युवती की पेड़ से लटकी लाश मिली

सूरत। रविवार को गुजरात में जूनियर क्लर्क की परीक्षा ली गई थी। सूरत के पूना गांव निवासी एक युवती भी जूनियर क्लर्क की परीक्षा देने घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक उसके घर नहीं लौटने पर परिवार ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। इस बीच युवती का शव उछरेल गांव के एक पेड़ से लटका मिला। बारडोली पुलिस ने दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। सूरत जिले की मांडवी गांव निवासी नवीन चौधरी खेतीकाम कर परिवार का जीवनयापन करते हैं। नवीन चौधरी की तीन संतानों में से एक 20 वर्षीय उर्वशी चौधरी खेडब्रह्मा में बीएड कर रही थी और वहीं होस्टेल में रहती थी। 9 अप्रैल को जूनियर क्लर्क की परीक्षा होने से गत 6 अप्रैल को उर्वसी अपने घर पूना गांव आई थी। बीते दिन उर्वशी जूनियर क्लर्क की परीक्षा देने जाने वाली थी, जिससे उसके पिता अपनी मोटर साइकिल पर उसे बस अड्डे तक छोड़कर आए थे। लेकिन देर रात तक उर्वशी के घर नहीं लौटने पर परिवार ने उसके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन कोई रिप्लाय नहीं मिला। जिसके बाद परिवार ने उर्वशी की खोजबीन शुरू कर दी। इस बीच खबर मिली कि उर्वशी का शव सूरत की बारडोली तहसील के उछरेल मोरी गांव की सीमा स्थित बबूल के एक पेड़ पर लटका है। खबर मिलते ही उर्वशी के परिवार समेत पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। उर्वशी की मौत की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। बारडोली पुलिस ने फिलहाल दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है।

फ्री मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप का हुआ आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

एकल युवा सूरत द्वारा सोमवार को अलथान स्थित सूरत महानगरपालिका निर्मित शेल्टर होम में फ्री मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप बॉम्बे मेटरनिटी एंड सर्जिकल हॉस्पिटल से डॉक्टर सोनिया चंदनानी की टीम द्वारा किया गया।

इस कैंप के द्वारा शेल्टर होम में रहने वाले लगभग दो सो लोगों का जनरल हेल्थ चेक अप, आंखों का चैकअप एवं बच्चों का चेकअप विभिन्न डॉक्टर की टीम द्वारा किया गया। इस मौके पर एसीपी श्री ईश्वर परमार मौके पर उपस्थित रहे एवं पूरी टीम को उत्साहवर्धन किया। इस कैंप के मार्गदर्शक के रूप में तरुण मिश्रा ने अहम भूमिका निभाई। इस मौक़े पर एकल युवा के अनुराग अग्रवाल, लवलीश अग्रवाल, अभिलेश बैंगनी एवं देवन अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें ।

प्रमुख डायमंड कंपनी ने सोनम वांगचुक को संतोकबा मानवतावादी पुरस्कार प्रदान किया

सूरत भूमि, सूरत। एस आर के नॉलेज फाउंडेशन (एस आर के के एफ), वह श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एस आर के) की परोपकारी शाखा है। जो की विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हीरा क्राफ्टिंग और एक्सपोर्ट कंपनी है, ने श्री सोनम वांगचुक, एक भारतीय इंजीनियर, प्रर्वतक, शिक्षा और सतत विकास सुधारवादी, और छात्रों के शैक्षिक और सांस्कृतिक आंदोलन (एस इ सी एम ओ एल) लद्दाख के संस्थापक-निदेशक को प्रतिष्ठित संतोकबा मानवतावादी पुरस्कार से सम्मानित किया।

पुरस्कार समारोह का आयोजन लद्दाख के होटल द ज़ेन लद्दाख में किया गया था, जिसमें श्री राहुल ढोलकिया, व्यवसायी - एसआरके, ने श्री सोनम वांगचुक को मुख्य अतिथि श्रीमती नीलम मिश्रा, प्रथम महिला (लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर की पत्नी) ने श्री सोनम वांगचुक को पुरस्कार प्रदान किया। सम्मानित अतिथि महामहिम रानी सरला छेवांग थीं; श्रीमती गीतांजलि जेबी, श्री सोनम वांगचुक की पत्नी और हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स (एचआईएएल) की सह-संस्थापक और निदेशक, और एडवोकेट श्रीमती थिनलेस एंगमो (सोनमजी की बड़ी बहन), जैसे विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पुरस्कार प्रदान किया। समारोह में श्री सोनम वांगचुक के छात्रों और पूर्व छात्रों सहित उनके परिवार ने भी भाग लिया।

"यह बात दिल को छू गयी कि यह मानवतावादी पुरस्कार एक माँ के नाम पर स्थापित किया गया है। यह अवसर माताओं को एक श्रद्धांजलि है, और इसलिए मैं यहां अपने जीवन की उन महिलाओं को लेकर आया हूं जिनके कारण मैं सफल हूं- मेरी बड़ी बहन, मेरी पत्नी गीतांजलि, मेरे परिवार के सदस्य, आदि...। यह पुरस्कार राशि विशेष रूप से लड़कियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने और लद्दाख के छात्रों और लोगों के लिए आजीवन सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए एक बीज के रूप में कार्य करेगी... "श्री सोनम वांगचुक ने कहा।

एस आर के के एफ ने खुद को मानवता के लिए समर्पित किया है, मुख्य रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा और जरूरतमंद को ऊपर लाने के लिए काम कर रही है । संतोकबा मानवतावादी पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2006 में गोविंदकाका की दिवंगत मां संतोकबा की स्नेह स्मृति में की गई थी, जिनकी निस्वार्थ भक्ति और मानवीय मूल्यों ने एस आर के के एफ को विभिन्न क्षेत्रों के मानवतावादियों को सम्मानित करके अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। चगिविंग बैक टू द सोसाइटीज़ के अपने विजन के साथ, श्री गोविंदकाका ने खुद को मानवता के लिए समर्पित कर दिया है, और 2014 में इसकी स्थापना के बाद से एस आर के के एफ का नेतृत्व कर रहे हैं। वे अन्य सामाजिक कार्यों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि में पहल करते हैं, और इससे जुड़े हुए हैं। विभिन्न क्षमताओं में 30 से अधिक शैक्षिक, चिकित्सा और सामाजिक ट्रस्टों के साथ जुड़े है।

दाऊदी बोहरा उत्तराधिकार मामले में अंतिम बहस पूरी, फैसले का बेसब्री से इंतजार

मुंबई ।

ऐतिहासिक दाऊदी बोहरा उत्तराधिकार मुकदमे में अंतिम बहस माननीय न्यायमूर्ति गौतम पटेल के समक्ष माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय में 5 अप्रैल 2023को समाप्त हुई।

यह मुकदमा मूल रूप से परम पावन सैयदना खुजैमा कुतुबुद्दीन साहेब द्वारा 2014 में प्रतिवादी के खिलाफ सच्चाई, न्याय और दाऊदी बोहरा समुदाय के भविष्य के लिए दायर मुकदमे में उपान्त्य मील का पत्थर था। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सैयदना कुतुबुद्दीन साहेब के सार्वजनिक बहस के आह्वान को प्रतिवादी मुफद्दल सैफुद्दीन द्वारा नजरअंदाज किए जाने के बाद मुकदमा दायर किया गया था। वाद में निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है।

सैयदी माजून साहब अब्देअली भाईसाहेब सैफुद्दीन, जो वर्तमान में सामुदायिक पदानुक्रम में दूसरे स्थान पर हैं और सैयदना कुतुबुद्दीन साहब के बेटे हैं, ने आज मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि इस मील के पत्थर तक पहुंचना समुदाय के सामने सच्चाई लाने के मेरे पिता के दृष्टिकोण और इरादे की परिणति के करीब एक कदम है। जून 2014 में, माननीय न्यायमूर्ति पटेल ने मुकदमे में तेजी लाई। माननीय न्यायमूर्ति पटेल को बॉम्बे उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीशों द्वारा मुकदमे की सुनवाई पूरी होने तक सौंपी गई थी।

सैयदना कुतुबुद्दीन साहब से जिरह अप्रैल 2015 में बंबई उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक केंद्रीय न्यायालय कक्ष संख्या 46 में शुरू हुई थी। यह वही कोर्ट रूम था जहां 1908 में अंग्रेजों ने लोकमान्य तिलक पर मुकदमा चलाया था। सैयदना कुतुबुद्दीन साहब ने क्रॉस एग्जामिनेशन में 500 से अधिक प्रश्नों के उत्तर दिए। सैयदना कुतुबुद्दीन साहब का मार्च 2016 में निधन हो गया, जब उनके बेटे और उत्तराधिकारी परम पावन सैयदना ताहेर फखरुद्दीन साहब को 54वें दाई अल-मुतलक के रूप में नियुक्त किया गया। सैयदना फखरुद्दीन साहब के आवेदन पर, उन्हें 2016 के चैंबर समन संख्या 1290 में माननीय न्यायमूर्ति पटेल द्वारा पारित एक आदेश द्वारा मुकदमे में वादी के रूप में प्रतिस्थापित किया गया था।

यह मुकदमा इस घोषणा के लिए है कि सैयदना खुजैमा कुतुबुद्दीन साहब 53वें दाई अल-मुतलक थे, और सैयदना ताहेर फखरुद्दीन 54वें दाई अल-मुतलक है, और परिणामी राहत के लिए। दिसंबर 2017 में सैयदना फखरुद्दीन साहब से जिरह शुरू हुई और जनवरी 2019 में संपन्न हुई। यह 27 दिनों तक चला और प्रतिवादी के वकील द्वारा 1500 से अधिक प्रश्न पूछे गए। सैयदना फखरुद्दीन साहब ने तब दो और गवाहों के सबूतों का नेतृत्व किया, और फरवरी 2020 में अपने सबूत का समापन किया। प्रतिवादी, मुफद्दल सैफुद्दीन ने अपने साक्ष्य नहीं देने और खुद को जिरह के अधीन नहींकरने का फैसला किया, लेकिन उसने अपने मामले के विभिन्न पहलुओं पर माननीय न्यायालय के समक्ष तेरह गवाहों के साक्ष्य का नेतृत्व किया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)